www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 21 || अम्बेडकरनगर
रविवार
12 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:47
सूर्यास्तः 06:28
अधिकतमः 36:00
न्यूनतमः 21:00

पेज 07

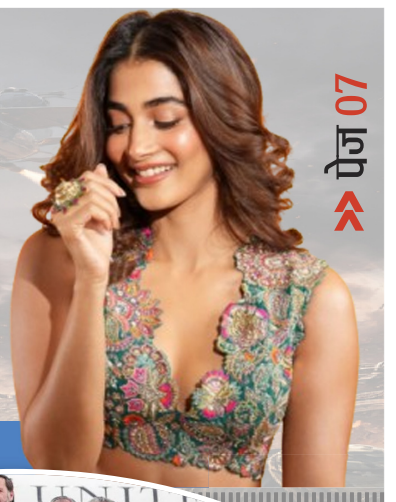

विशेष समाचार | भारतीय राजनीति का ... » पेज 04 | यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर ... » पेज 06 | विजय की आखिरी...

2 घंटे चली मीटिंग, ईरान ने लेबनान पर तुरंत हमला रोकने की मांग की

ईरान - अमेरिका सीजफायर वार्ता

ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान इस संघर्ष में बुरी तरह हार रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि जो तस्वीर पेश की जा रही है, वह सही नहीं है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान के पास अब न तो मजबूत नौसेना है, न एयरफोर्स और न ही एयर डिफेंस सिस्टम। ईरान के पुराने नेता अब मौजूद नहीं हैं।

सीजफायर वार्ता में शामिल लीडर्स

पाकिस्तान

शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री | मुनीर सेना प्रमुख आसिम | डार इशाक विदेश मंत्री | आसिम मलिक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

अमेरिका

जेडी वेंस उपराष्ट्रपति | स्टीव विटकॉफ स्पेशल प्रतिनिधि | जेरेड कुशनर सीनियर एडवाइजर | ब्रैड कूपर सैन्य अधिकारी

ईरान

मोहम्मद बाघेर गालिबाफ संसद अध्यक्ष | अब्बास अराघची विदेश मंत्री | मजीद तख्त खांची उप विदेश मंत्री

वार्तालाप

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस जब इस्लामाबाद पहुंचे, तो उनके विमान को पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट्स ने एस्कॉर्ट किया। पांच लड़ाकू विमानों ने उनके प्लेन को सुरक्षित तरीके से पाकिस्तान में लैंड कराया।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर शुक्रवार रात ईरानी डेलिगेशन को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे थे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस को रिसीव करने पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर, विदेश मंत्री इशाक डार और गृहमंत्री मोहसिन नकवी पहुंचे।

तमसा संकेत, एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता का पहला राउंड 2 घंटे तक चला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान ईरान ने लेबनान पर तुरंत हमले की रोकने की मांग की।

इस बैठक में एक्सपर्ट्स ने सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े मुद्दों पर बात की। अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जबकि ईरान की तरफ से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने नेतृत्व किया।

यह मीटिंग कल भी जारी रह सकती है। 47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार था जब दोनों देश के नेताओं ने इतने बड़े स्तर पर आमने-सामने बातचीत की। इससे पहले ईरान ने कहा था कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। >> (शेष पेज 06 पर)

इस्लामाबाद के लग्जरी सेरेना होटल में हो रही ईरान-यूएस वार्ता

इस्लामाबाद के लग्जरी सेरेना होटल में अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर वार्ता हो रही है। यह होटल शहर के सबसे सुरक्षित इलाकों में माना जाता है। सेरेना होटल अपनी मजबूत सुरक्षा, सही लोकेशन और बड़े-बड़े मेहमानों को संभालने के अनुभव के लिए जाना जाता है। यहां आने-जाने के हर रास्ते पर कड़ी जांच होती है और कई लेयर में सिक्योरिटी लगी रहती है। यह होटल प्रधानमंत्री आवास और संसद जैसे अहम सरकारी जगहों के पास है, जिससे नेताओं और अधिकारियों के लिए यहां आना-जाना आसान और सुरक्षित रहता है।

यही वजह है कि बड़ी और संवेदनशील मीटिंग्स के लिए इसे चुना जाता है। करीब 6 हेक्टेयर में फैले इस होटल में 400 से ज्यादा कमरे, बड़े कॉन्फ्रेंस हॉल और ऑफिस स्पेस हैं। यहां एक साथ 150 से ज्यादा लोगों की टीम आराम से रुक सकती है, इसलिए बड़ी डेलिगेशन के लिए यह होटल एकदम सही माना जाता है।

अमेरिका के साथ सीजफायर वार्ता से पहले ईरानी डेलिगेशन आपस में बात करते हुए।

ईरान बोला- अमेरिका पर बिल्कुल भरोसा नहीं होर्मुज संकट के बीच अमेरिका जा रहे 60 खाली तेल टैंकर

प्लेन में बच्चों की तस्वीरें रखकर पाकिस्तान पहुंचे गालिबाफ

गालिबाफ ने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी हैं, जिनके साथ उनके खून से सने स्कूल बैग और जूते रखे हैं और फूल भी रखा है।

ईरानी शहर मिनाब में जंग के पहले ही दिन 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। इनमें बच्चे और स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। >> (शेष पेज 06 पर)

ईरान-यूएस सीजफायर वार्ता का पहला दौर खत्म, कल भी जारी रह सकती है

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता का पहला राउंड 2 घंटे तक चला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान ईरान ने लेबनान पर तुरंत हमले की रोकने की मांग की। इस बैठक में एक्सपर्ट्स ने सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े मुद्दों पर बात की। अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जबकि ईरान की तरफ से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने नेतृत्व किया। >> (शेष 06 पर)

> इजराइली सेना ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटों में लेबनान में हिजबुल्लाह के 200 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया है।
> सेना के मुताबिक, एयरफोर्स लगातार हिजबुल्लाह के ठिकानों और ढांचे को निशाना बना रही है और दक्षिणी लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन कर रही है।

फास्ट न्यूज

महाराष्ट्र के मंत्री का हेलिकॉप्टर कार पार्किंग में उतरा

पुणे। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल शनिवार को बड़े हादसे से बच गए। पुणे के पुरंदर इलाके में उनका हेलिकॉप्टर हेलीपैड की बजाय कार पार्किंग में उतरा। हेलीपैड वहां से एक किलोमीटर दूर था।

रैली प्रचार

बंगाल की जनता टीएमसी का अहंकार चकनाचूर करेगी : पीएम

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के कटवा, मुर्शिदाबाद के जंगीपुर और बांग्लादेश सीमा से सटे दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुशमंडी में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (TMC) और CM ममता बनर्जी पर निशाना साधा। PM ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का, और अंत में वामपंथियों का अहंकार भी चकनाचूर हो गया।

12 राज्यों-यूटी में एसआईआर, 6.08 करोड़ लोगों के नाम कटे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में फाइनल वोटर लिस्ट जारी की गई। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में कुल 6.08 करोड़ नाम कम हुए हैं।

वृंदावन हादसे में अबतक 11 श्रद्धालुओं की मौत, 5 लापता

यमुना से बेटे की लाश निकली तो बुजुर्ग पिता फफक पड़े

रेस्क्यू

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । मथुरा के वृंदावन में नाव हादसे में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। अब तक 22 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 30 घंटे से ज्यादा बीत जाने के बाद भी 5 लोग लापता हैं। शनिवार को दूसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। आर्मी समेत 250 लोगों की टीम ऑपरेशन में लगी हुई है। जांच का दायरा 14 से बढ़ाकर 20 किमी. कर दिया गया है। आज शनिवार को एक शव देवरहा बाबा घाट के पास से बरामद किया गया। बेटे की लाश देखकर बुजुर्ग पिता फफक पड़े। युवक की 6 महीने पहले सगाई हुई थी। 12 सितंबर को शादी होनी थी।

> आर्मी समेत 250 लोगों की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हुई है। 14 किमी के दायरे में लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने आरोपी नाविक पप्पू निषाद और ठेकेदार नारायण शर्मा को जेल भेज दिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीजेआई सूर्यकांत बोले- इकॉनोमी में कानून की भूमिका अहम

नई दिल्ली। CJI सूर्यकांत ने कहा कि भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनॉमी बनाने के लिए सिर्फ पूंजी और पॉलिसी काफी नहीं होंगी। इसके लिए मजबूत और भरोसेमंद कानूनी व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी। निवेशकों का भरोसा इसी पर टिका होता है।

जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने भरोसा जताया कि देश इस चुनौती को पूरा करेगा, लेकिन इसके लिए कानून की गुणवत्ता, स्थिरता और पारदर्शिता जरूरी होगी, क्योंकि इसी पर आर्थिक वादों और निवेश का आधार टिका होता है।

संसद परिसर में मिले मोदी-राहुल

हाथ जोड़कर अभिवादन किया, महात्मा फुले जयंती कार्यक्रम के बाद बातचीत की

श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। PM नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच शनिवार को संसद परिसर में बातचीत हुई। दोनों नेता समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी नेताओं से मिल रहे थे। वह राहुल के पास गए। दोनों ने एक-दूसरे का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। पीएम ने नेता विपक्ष राहुल से बातचीत भी की।

लोकसभा चुनाव के बाद 26 जून 2024 को लोकसभा में ओम बिरला को स्पीकर चुना गया। मोदी, राहुल गांधी स्पीकर बिरला को अध्यक्ष के आसन तक लेकर गए। इस दौरान ओम बिरला से हाथ मिलाने के बाद पीएम मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे से भी हाथ मिलाया। 20 जुलाई 2018 को लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी।

शनिवार को महात्मा फुले को 200वीं जयंती पर संसद बिल्डिंग में सांसदों ने श्रद्धांजलि दी। इसी कार्यक्रम में पीएम और नेता विपक्ष की मुलाकात हुई।

> राहुल के अलावा पीएम मोदी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और अर्जुन राम मेघवाल से भी मिले।

राहुल गांधी सरकार की आलोचना करने के बाद अपनी सीट से उठकर सीधे PM मोदी के पास गए। पीएम सीट पर ही बैठे रहे तो राहुल ने उन्हें वहीं गले लगा लिया। प्रधानमंत्री पहले तो हैरान रह गए, लेकिन फिर उन्होंने राहुल को वापस बुलाकर हाथ मिलाया और बातचीत की।

मोदी ने बाद में इस घटना को याद करते हुए मजाक में कहा कि मैं यहां (लोकसभा) आया और कई चीजें सीखीं। पहली बार मैंने गले लगाने और गले पड़ने में फर्क भी समझा।

2014 में कार्यभार संभालने के कुछ समय बाद पीएम मोदी ने भारत के पहले प्रधानमंत्री की 50वीं पुण्यतिथि पर शांति वन में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। >> (शेष पेज 06 पर)

वारदात : बिडहर पुल के पास वारदात, कार सवार तीन बदमाशों ने रोका और हमला कर लूटा बैग

जहांगीरगंज में दिनदहाड़े लूट से सनसनी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकर नगर । जहांगीरगंज थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह लूट की बड़ी वारदात सामने आई। बिडहर पुल के पास कार सवार बदमाशों ने कपड़ा व्यवसायी और उसके साथी को रोककर मारपीट की और नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

पीड़ित पक्ष की ओर से लूट की राशि 17 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। पुलिस इस दावे की पुष्टि के लिए जांच कर रही है और मामले के हर पहलू की पड़ताल की जा रही है।

आरोप है कि कार से उतरे तीन बदमाशों ने दोनों पर हमला कर दिया। सिर पर तमंचे के बट से वार कर उन्हें घायल किया गया। इसके बाद रईस के पास रखे करीब 13 लाख रुपये और जलाल के पास मौजूद करीब 3 लाख 90 हजार रुपये से अधिक नकदी वाला बैग छीन लिया गया। बैग में चेकबुक भी रखी थी।

> पुलिस अधिकारियों के अनुसार पीड़ित द्वारा बताई गई रकम की भी जांच की जा रही है। शुरुआती स्तर पर घटना को संदिग्ध मानते हुए सभी बिंदुओं पर सत्यापन किया जा रहा है।

पुलिस ने शुरू की जांच, सीसीटीवी खंगाले जा रहे

सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र, क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल, थाना प्रभारी संतोष सिंह और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकिंग बढ़ा दी गई है और संभावित रूट पर कांबिंग की जा रही है।

बिहार से वसूली कर लौट रहे थे व्यापारी

जानकारी के अनुसार नेवारी दुराजपुर निवासी मोहम्मद रईस कपड़े का कारोबार करते हैं। वह बिहार से बिक्री के बाद वसूली कर ट्रेन से खलीलाबाद पहुंचे थे। वहां से अपने साथी मोहम्मद जलाल के साथ बाइक से घर लौट रहे थे।

सुबह करीब 7:30 बजे दोनों बिडहर पुल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आई कार ने ओवरटेक कर उन्हें रोक लिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी के एक और गांव का सीएम ने नाम बदलने का किया ऐलान

213 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी के एक और गांव का नाम बदलने का ऐलान किया। लखीमपुर खीरी में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने खीरी जिले के गांव मियांपुर का नाम बदलने की घोषणा की। सीएम योगी ने कहा, गुरुदेव के नाम पर मियांपुर को अब रविंद्रनगर के नाम से जाना जाएगा। सीएम योगी ने तत्कालीन सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, पहले की सरकारों ने पहचान छिपाने के लिए गांव का नाम मियांपुर रख दिया था, लेकिन गांव में एक भी मियां नहीं था। सीएम योगी ने 331 हिंदू बांग्लादेशी परिवारों को सौगात देते हुए कहा, डबल इंजन सरकार में सभी वर्ग का विकास हुआ है। 1971 में पाकिस्तान के बंटवारे पर सीएम योगी ने कहा, पाकिस्तान के अभी और टुकड़े होंगे।

> कांग्रेस ने विस्थापितों को कोई अधिकार नहीं दिया - सीएम योगी

>> (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ में सलमान खुर्शीद बोले- एसआईआर महत्वपूर्ण काम, इसमें नाम जुड़वा लें

‘जिसको शांति से मतलब नहीं, वह सुलह करा रहा’

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने अमेरिका-ईरान के बीच पाकिस्तान के मध्यस्थता करने पर कहा है कि जिसको शांति से कोई मतलब नहीं, आज वो विश्व शांति की मध्यस्थता कर रहा है। वह शांतिदूत बन बैठा है। यहां हमारी कमी रह गई। हम जो कर सकते थे वह नहीं किया।

सलमान खुर्शीद ने कहा कि अधिवक्ता संविधान की लड़ाई लड़ रहे हैं और आज हम लोग इन्हें अधिवक्ताओं के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। इसका लक्ष्य है कि इस कार्यक्रम से जो हम लोगों को प्रेरणा मिले, उसे आम जनता तक पहुंचाया जाए।

सलमान खुर्शीद ने कहा- धर्म के साथ राजनीति करने वालों का अंजाम क्या होगा, ये वही जानें।

एसआईआर प्रक्रिया पर बोले की जिन लोगों का नाम कट गया है, अभी उनके पास उत्तर प्रदेश में समय है। वह इस समय का सदुपयोग करें और अपने नाम को इसमें जुड़वा ले। यह बेहद महत्वपूर्ण काम है इसमें सबको हिस्सा लेना चाहिए।

संवैधानिक व्यवस्था को सुरक्षित करना एक बड़ी चुनौती है मौजूदा समय में जिससे हम संगठित होकर करेंगे। संविधान को बचाना और जन-जन को न्याय दिलाना ही हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम लोग जहां अधिवक्ता सम्मेलन कर रहे हैं, उनका सम्मान कर रहे हैं। वहीं, मिर्जापुर में एक अधिवक्ता की हत्या कर दी गई। प्रदेश में जंगल राज है और इस जंगल का राजा सरकार का मुखिया है। भाजपा अपराधियों को संरक्षण दे रही है। लगातार अधिवक्ताओं पर हमले हो रहे हैं, हत्या हो रही है और अपराधी बनाकर उनका एनकाउंटर किया जा रहा है। अगर पिछली घटनाओं पर मजबूत कार्रवाई हो जाती तो आज एक और वकील की हत्या न होती।

कैसरबाग के गांधी भवन में आयोजित सम्मेलन में मंच पर मौजूद कांग्रेस के नेता।

‘पाकिस्तान में मध्यस्थता भारत सरकार की विफलता’

पाकिस्तान के अंदर अमेरिका और ईरान के बीच हो रही मध्यस्थ की वार्ता पर खुर्शीद कहा कि वहां इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी सरकार ने अगुआई नहीं की। विश्वभर में जो हमारी क्षमता और अस्तित्व रहा है अगर उसके हिसाब से मौजूदा सरकार ने काम किया होता तो आज हम नेतृत्व कर रहे होते। कूटनीति और विदेश नीति का सही उपयोग न होना आज पाकिस्तान इसकी मध्यस्थता कर रहा है।

सलमान खुर्शीद शहर के कैसरबाग के गांधी भवन में शनिवार को आयोजित कांग्रेस के अधिवक्ता सम्मेलन में पहुंचे थे। उनके अलावा सम्मेलन में राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत कई नेता और वकील पहुंचे।

भारत हर संकट से निपटने में सक्षम : रक्षामंत्री राजनाथ

राजनाथ बोले- गल्फ वॉर का देश पर असर नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति का वार्षिकोत्सव मनाया गया। इसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लक्ष्मण मंडपम समेत 58.27 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। राजनाथ ने कहा- BJP सरकार के रहते देश में कोई बड़ा संकट उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा। कोविड जैसे बड़े वैश्विक संकट का भारत ने मजबूती से सामना किया था। उसी तरह वर्तमान परिस्थितियों से निपटने की क्षमता देश में है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की स्थिति मजबूत है। वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी मानते हैं कि भारत किसी भी संकट से निपटने में सक्षम है। गल्फ देशों में चल रहे हालात का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन भारत ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने

लखनऊ को लाइब्रेरी-म्यूजियम की सौगात दी

कहा- आज लखनऊ वालों के लिए सौभाग्य का दिन है। हम सब के प्रिय नेता रक्षा मंत्री राजनाथ ने विकास की कई सौगातें दी हैं। मल्टीलेवल पार्किंग फ्लाईओवर के साथ-साथ पूरे लखनऊ में फ्लाईओवर का जाल बिछाने का काम किया है।

जहां फ्लाईओवर नहीं बन सकता था। अंडर पास बनाए गए हैं। अवध चौराहे पर बने अंडर पास का जल्द उद्घाटन किया जाएगा। इसके साथ ही पार्कों में ओपन जिम और कम्यूनिटी सेंटर से युवाओं और महिलाओं को काफी फायदा हो रहा है।

फास्ट न्यूज

असली सोना दिखाकर नकली बेचते थे पति-पत्नी

लखनऊ। लखनऊ में सस्ता सोना देने का झांसा देकर ठगी करने वाले सरकारी टीचर पति-पत्नी पकड़े गए हैं। ये दोनों पहले लोगों से दोस्ती करके नजदीकी बढ़ाते थे। इसके बाद रिश्तेदारों से मिलकर उनके साथ ठगी करते थे। मोहम्मद अफसर बदायूं के सरकारी स्कूल में सहायक अध्यापक है। उसकी पत्नी दानिशा फातिमा लखनऊ के ठाकुरगंज स्थित कालीचरन इंटर कॉलेज में टीचर है।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग

लखनऊ । लखनऊ के वजीरगंज थानाक्षेत्र में शनिवार यानी 11 अप्रैल को सुबह एक मकान में आग लग गई। आग दूसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। जिससे दो कमरों में रखा सामान जलकर खाक हो गया। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। एफएसओ चौक पुष्पेंद्र कुमार यादव ने बताया फायर स्टेशन चौक को सुबह 11 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियां और हजरतगंज फायर स्टेशन से एक गाड़ी मौके पर रवाना की गई।

7 मिनट तक तोड़ता रहा एटीएम

लखनऊ। लखनऊ में एटीएम को तोड़कर लूटने की कोशिश की गई। एक चोर हेलमेट लगाकर बूथ के अंदर एटीएम मशीन के पास गया। उसने सब्बल से मशीन को 7 मिनट तक तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि इस दौरान वो मशीन का कुछ हिस्सा ही तोड़ पाया। लेकिन कैश फिर भी नहीं निकाल पाया। इसके बाद वह वहां से चला गया।मामला बंथरा थाना के पहाड़पुर का है। यहां बनी-मोहनलालगंज रोड स्थित मार्केट में निजी बैंक (हिताची) का एटीएम लगा हुआ है।

‘समाज सुधार में ज्योतिबा फुले का योगदान अविस्मरणीय रहेगा’

श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज लखनऊ स्थित कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर महान समाज सुधारक एवं शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले जी ने सामाजिक समता, शिक्षा के प्रसार और नारी सशक्तिकरण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके विचार एवं कार्य आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं।उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले जी न केवल महान समाज सुधारक थे, बल्कि एक प्रखर विचारक, लेखक और क्रांतिकारी दार्शनिक भी थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों से समतामूलक समाज के निर्माण की प्रेरणा मलती है : केशव प्रसाद मौर्य

उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों, भेदभाव और असमानताओं के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। विशेष रूप से स्त्री शिक्षा और समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए उनका योगदान अतुलनीय है। श्री मौर्य ने कहा कि आज के समय में महात्मा फुले जी के आदर्शों को आत्मसात कर ही एक समरस और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई गतिः किसानों की आय वृद्धि व युवाओं के रोजगार हेतु सरकार के ठोस प्रयास

प्रदेश में निवेशकों व युवा उद्यमियों का बढ़ता रुझान

- खाद्य प्रसंस्करण में अपार संभावनाएं
- उ०प्र० खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 से उद्यमिता को मिल रहा प्रोत्साहन, 13 प्रस्तावों को अप्रेज़ल समिति की संस्तुति

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं के लिए व्यापक रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उ०प्र० खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, अनुदानों एवं प्रावधानों के बारे में व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिकाधिक उद्यम स्थापित हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानों के उत्पादों को बेहतर मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा इस दिशा मे प्रभावी कदम तेजी से उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उ०प्र० शासन श्री बी. एल. मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय,

स्वीकृति हेतु संस्तुत प्रमुख इकाइयों में बिस्कुट एवं टॉफी हेतु स्टार्च इकाई, मैकरोनी/पास्ता/नूडल्स निर्माण इकाई, पोल्ट्री फीड यूनिट, चिकोरी पाउडर एवं एक्सट्रैक्ट इकाई, डेयरी उत्पाद विस्तार, सोलर पावर प्लांट, बेकरी उत्पाद इकाई, मॉरिंगा उत्पाद निर्माण तथा तिलहन एवं दाल प्रसंस्करण इकाइयाँ शामिल हैं।

लखनऊ में अप्रेज़ल समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्री-अप्रेज़ल समिति द्वारा संस्तुत 14 नवीन तथा 01 पूर्व में स्थगित प्रस्ताव सहित कुल 15 प्रस्ताव विचारार्थ प्रस्तुत किए गए। इनमें से 13 प्रस्तावों को राज्य स्तरीय समिति के समक्ष अनुमोदन हेतु संस्तुति प्रदान की गई।

अप्रेज़ल समिति द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि कच्चे माल की आपूर्ति प्राथमिकता से स्थानीय कृषकों एवं दुग्ध उत्पादकों से सुनिश्चित की जाए। साथ ही, संबंधित इकाइयों को प्लान मैप, फायर एवं प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जहां लागू हो, वहां 100 स्थानीय कृषकों/उत्पादकों से कच्चा माल आपूर्ति की सूची स्टाम्प पेपर पर उपलब्ध करानी होगी। कार्यरत इकाइयों को 85 प्रतिशत उत्पादन क्षमता उपयोग का प्रमाण, विगत दो वर्षों के आयकर एवं जीएसटी रिटर्न की प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी।

शासन स्तर पर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, जिले को मिली 28वीं एसपी

एसपी अभिजीत आर शंकर का तबादला

- प्राची सिंह नई पुलिस अधीक्षक नियुक्त
- संजीव सुमन हटाए गए, अभिजीत बने देवरिया एसपी
- प्रशासनिक गलियारों में चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में पुलिस प्रशासन में बड़ा बदलाव हुआ है। शासन ने पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर का तबादला कर उन्हें देवरिया जिले में तैनात किया है। वहीं उनकी जगह 2017 बैच की आईपीएस अधिकारी प्राची सिंह को अंबेडकरनगर का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। यह तबादला आदेश शासन स्तर पर जारी किया गया, जिसके बाद पुलिस महकमे में हलचल देखी जा रही है। जिले में इसे एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अंबेडकरनगर की 28वीं पुलिस अधीक्षक के रूप में प्राची सिंह की तैनाती की गई है। वह मूल रूप से फतेहपुर जिले की रहने वाली हैं। इससे पहले वह लखनऊ में 32वीं वाहिनी पीएसी में सेनानायक के पद पर कार्यरत थीं।प्राची सिंह

सात महीने का रहा कार्यकाल

अभिजीत आर शंकर करीब सात महीने तक अंबेडकरनगर के पुलिस अधीक्षक रहे। इस दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, अपराध नियंत्रण और कई अभियान चलाने पर फोकस किया। उनके कार्यकाल में पुलिस की सक्रियता और त्वरित कार्रवाई को लेकर कई मामलों में चर्चा रही।अब उन्हें देवरिया जिले में नई जिम्मेदारी दी गई है, जहां वे वहां की कानून-व्यवस्था की कमान संभालेंगे।

2017 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं और उनकी पहचान तेज-तर्रार प्रशासनिक अफसर के रूप में रही है। नए एसपी की नियुक्ति को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि उनकी कार्यशैली से जिले में कानून-व्यवस्था और मजबूत होगी तथा पुलिसिंग सिस्टम में नई गति आएगी।

राह चलती महिला से टप्पेबाजी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ की कैसरबाग पुलिस ने राह चलते महिलाओं को बहला-फुसलाकर उनके जेवर गायब करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से महिला के जेवर भी बरामद किए गए हैं। सभी आरोपी राज्य बदल-बदलकर घटना को अंजाम देते थे। पिछले करीब 3 साल से लखनऊ में रह रहे थे। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने बताया- 4 अप्रैल को हुसैनगंज के उदयगंज स्थित पुराना बर्फ खाना निवासी पिंकी ने कैसरबाग थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे एफआई टावर के पास काम करने गई थी। वहां दो अनजान व्यक्ति मिले। उन्होंने झोला पकड़ाकर बोला इसमे डेढ़ लाख रुपए हैं। अपने पास सुरक्षित रख लो और अपने कान का टप्स और मंगल सूत्र दे दो। हम सुरक्षित रखेंगे। आगे चलकर दे देंगे। उनकी बातों में आकर टप्स और मंगल सूत्र सोने का उतार कर उनको दे दिया।

कट बंद करने के विरोध में प्रदर्शन, 25 पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में कानपुर रोड पर चिल्लावां गांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवैध कट बंद किए जाने के विरोध में प्रदर्शन और सड़क जाम करने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। सरोजनी नगर थाने के उप निरीक्षक अवनीश वर्मा ने इस संबंध में तीन नामजद सहित करीब दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा के अनुसार, यह घटना 9 अप्रैल 2026 की है। यातायात पुलिस ने एक अभियान के तहत फर्रुखाबाद-चिल्लावां के पास स्थित अंग्रेजी मॉडल शॉप के सामने लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के डिवाइडर पर बने अवैध कट को क्रेन की मदद से बंद कर दिया था।

इस कार्रवाई से नाराज स्थानीय लोगों के साथ व्यापारियों ने उसी दिन शाम करीब 6 बजे हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बुरी तरह

लखनऊ में कानपुर रोड पर पुलिस ने बंद किया था कट, व्यापारियों ने किया था प्रदर्शन

बाधित हो गया। सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और यातायात पुलिस कर्मियों के सहयोग से लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं माने और नारेबाजी करते हुए मार्ग अवरुद्ध रखा। पुलिस ने बताया कि एमसी तिवारी, राकेश (किराना स्टोर संचालक) और बृजेंद्र शर्मा उर्फ पप्पू सहित 20-25 अन्य अज्ञात लोगों ने मिलकर सड़क जाम किया और आवागमन प्रभावित किया।

बयान : ज्योतिबा फुले की जयंती मनाने लखनऊ पहुंचे भूपेश बघेल, बोले- उन्होंने महिला शिक्षा पर काम किया

‘एसआईआर से न सीएम योगी खुश, न अखिलेश’

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में कांग्रेस आज (11 अप्रैल को) ज्योतिबा फुले की जयंती मना रही है। यहां छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी पहुंचे। उन्होंने SIR पर कहा कि इस प्रक्रिया से न सीएम योगी खुश हैं और न ही विपक्ष के नेता अखिलेश यादव। जब सरकार में बैठे लोग ही SIR से संतुष्ट नहीं हैं तो इसमें हम अपना क्या ही बताएं। ज्योतिबा फुले के लिए कहा कि उन्होंने महिलाओं के लिए स्कूल खोले। महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में काम किया। बता दें कि लखनऊ में ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती कांग्रेस वैज्ञानिक जाति जनगणना दिवस के रूप में मना रही है।

भूपेश बघेल ने कहा- आतंकवादियों का जनक देश पाकिस्तान आज दो देशों के बीच समझौता करा रहा है। विश्वगुरु देश की हवा निकल गई। उनकी असलियत को आज जन-जन समझ रहा है। अब सब समझ चुके हैं।

यह सरकार जनगणना करने जा रही है लेकिन बिना परिसीमन के कैसी गणना हो सकती है? इन्होंने गणना के फॉर्म में एससी-एसटी की जगह तो दी है लेकिन ओबीसी की जगह नहीं दी है, वह होनी चाहिए।

भूपेंद्र सिंह बघेल ने कहा कि ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर आज का पूरा व्यक्तित्व उन्हीं पर केंद्रित रहेगा।

आराधना मिश्रा बोलीं- कांग्रेस ने ज्योतिबा फुले की विचारधारा को बढ़ाया

कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ज्योतिबा फुले की विचारधारा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा- आज हम ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पर मौजूद हैं जो साधारण व्यक्ति नहीं थे। जिन्होंने आज से 200 वर्ष पहले महिलाओं की बेटियों के अधिकार और समानता की लड़ाई लड़ी, आज अभी बघेलजी ने जो कहा उसे जोड़कर एक बात कहूंगी। आप उस समाज की कल्पना कीजिए जहां पर बेटियों को शिक्षा का अधिकार नहीं था। जहां पर बेटियों को शिक्षा का अधिकार नहीं था। उस समय ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नी को पढ़ाया और पहली महिला से शिक्षिका बनाया।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स ऑडिटोरियम में कांग्रेस के नेताओं का जुटान हुआ है।

आप सबलोग ज्योतिबा फुले की लिखी किताब पढ़िए : के. राजू

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के. राजू ने कहा- जो सोच बाबा साहब अंबेडकर ने पूरे देश में रखी, उस सोच का मूल महात्मा फुले का है। उन्होंने ही हमारे देश में नए भारत में न्याय संघर्ष के लिए नींव रखी। आप सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि महात्मा फुलेजी की किताब आप सबलोग पढ़ना क्योंकि बहुत ही महत्वपूर्ण पुस्तक है जिसे महात्मा फुलेजी ने लिखा था।

महात्मा बापू ने कहा कि इस समाज में अपर कास्ट शूद्र और अति शूद्र को परेशान करने के लिए धर्म शूद्र और अति शूद्र को गुलामी के लिए रखा। इसीलिए उन्होंने कहा कि सबलोग के पढ़ने से ही बदलाव आएगा।

जयपुर समिट में अखिलेश का विजन इंडिया पर जोर

बोले-सौहार्द से ही संभव है विकास

- हेरिटेज संरक्षण, पर्यटन और सामाजिक न्याय को लेकर गिनाए समाजवादी सरकार के काम, सोशल मीडिया से विरासत को बढ़ाने की अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

जयपुर/लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश में विकास और खुशहाली के लिए सौहार्द, अमन-चैन और भाईचारा बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब समाज में शांति होगी, तभी समानता और विकास संभव हो पाएगा। शनिवार को जयपुर में आयोजित “हारमोनियस हेरिटेज समिट” में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए अखिलेश यादव ने

“विजन इंडिया” कार्यक्रम के तहत अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का उद्देश्य देश में सामाजिक न्याय और समानता को मजबूत करना है।

अखिलेश यादव ने जयपुर को साझी विरासत का प्रतीक बताते हुए कहा कि “पिंक सिटी” का गुलाबी रंग सौहार्द और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यहां की वास्तुकला में भारतीय और मुगल शैली का अनूठा संगम देखने को मिलता है, जो देश की विविधता और एकता को दर्शाता है।

अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में हेरिटेज संरक्षण के लिए कई अहम कदम उठाए गए। अखिलेश यादव ने कहा कि आज के दौर में तकनीक का उपयोग कर विरासत को नई पहचान दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि समाजवादी सरकार में नक्शों, दस्तावेजों और लाइब्रेरी का डिजिटलीकरण किया गया।

उन्होंने सुझाव दिया कि हेरिटेज को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की मदद ली जानी चाहिए, जिससे इसकी पहुंच देश-दुनिया तक बढ़ सके।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

विशेष पुनरीक्षण के बाद जारी सूची, प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव

गिरावट

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिले में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के बाद जारी सूची में जिलेभर में कुल 1,74,110 मतदाता कम दर्ज किए गए हैं। सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग स्तर पर गिरावट सामने आई है।

प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार यह बदलाव सत्यापन, स्थानांतरण, मृत मतदाताओं के नाम हटाने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों की जांच के बाद किया गया है।

कटेहरी विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 39,006 मतदाता कम हुए हैं। पहले यहां 4,02,807 मतदाता थे, जो अब घटकर 3,63,801 रह गए हैं। यह जिले में सबसे बड़ी गिरावट है।

आलापुर विधानसभा क्षेत्र में 31,179 मतदाता कम हुए हैं। पहले 3,52,651 मतदाता थे, जो अब 3,21,472 रह गए हैं। टांडा विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 28,098 मतदाता घटे हैं। पहले 3,42,209 मतदाता थे, जो अब 3,14,117 रह गए हैं।

18-19 वर्ष आयु वर्ग के 22,411 युवा मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं, जो कुल मतदाताओं का 1.33 प्रतिशत है। वहीं 15,603 दिव्यांग मतदाता भी सूची में दर्ज हैं।

विधानसभा स्तर पर राजनीतिक स्थिति

कटेहरी सीट से मौजूदा विधायक धर्मराज निषाद प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अकबरपुर से राम अचल राजभर, जलालपुर से राकेश पांडेय, आलापुर से त्रिभुवन दत्त और टांडा से जनप्रतिनिधि कार्यरत हैं।

1.74 लाख मतदाता घटे, सभी 5 सीटों पर गिरावट

नए अंतिम प्रकाशन के अनुसार जिले में कुल 16,85,553 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 9,08,270 पुरुष, 7,77,275 महिला और 8 अन्य मतदाता शामिल हैं। लिंगानुपात 856 दर्ज किया गया है, जबकि निर्वाचक जनसंख्या अनुपात 57.58 प्रतिशत है।

अकबरपुर और जलालपुर में भी बड़ी कमी

अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र में 38,724 मतदाता घटे हैं। पहले 3,43,480 मतदाता थे, जो अब 3,04,756 रह गए हैं।

जलालपुर विधानसभा क्षेत्र में 37,109 मतदाताओं की कमी दर्ज की गई है। यहां पहले 4,18,516 मतदाता थे, जो अब 3,81,407 रह गए हैं।

अकबरपुर में संचारी रोग नियंत्रण अभियान तेज

सिझौली और शिव बाबा वार्ड में चला विशेष अभियान, जलभराव हटाने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका परिषद ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत शहर में वृहद स्वच्छता अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को सिझौली और शिव बाबा वार्ड में विशेष सफाई और जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। नगर पालिका की टीम ने कई स्थानों पर एक साथ काम करते हुए सफाई व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान दिया।

अभियान के दौरान नाले-नालियों की गहन सफाई कर सिल्ट निकाली गई, ताकि जलभराव की समस्या न हो। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए एंटी-लार्वा का छिड़काव किया गया। संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मेलाथियोन और ब्लीचिंग पाउडर का भी उपयोग किया गया।

सड़कों के किनारे और खाली प्लॉटों में उगी झाड़ियों और घास की कटाई कराई गई। शाम के समय वार्डों में फॉगिंग अभियान चलाकर मच्छरों को खत्म करने का प्रयास किया गया। नगर पालिका के अनुसार, यह अभियान लगातार अन्य वार्डों में भी जारी रहेगा।

अभियान में स्वच्छ भारत मिशन और नगर पालिका की टीम सक्रिय रही। इसमें जसवंत सिंह यादव, इसराइल, अंकित अग्रहरि और फखरुल हसन समेत कई कर्मचारी शामिल रहे। सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई कार्य की निगरानी की।

नगरवासियों से सहयोग की अपील

अभियान की निगरानी कर रहे अधिशाषी अधिकारी ने नगरवासियों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि घरों के आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमलों और टूटे बर्तनों में पानी इकट्ठा होने से मच्छर पनपते हैं। लोगों से कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और नगर पालिका की कूड़ा गाड़ियों का उपयोग करने को कहा गया है।

फास्ट न्यूज

जिला अस्पताल के डॉक्टर का पर्चे पर हुआ बवाल

बाराबंकी । बाराबंकी के रफी अहमद किदवई स्मारक जिला अस्पताल का एक पर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर्चे पर डॉक्टर ने दवाओं के नाम की जगह टेढ़ी-मेढ़ी लकीरें खींची हैं, जिससे लिखावट को समझना मुश्किल हो गया है। यह पर्चा 9 अप्रैल 2026 को ओपीडी टिकट संख्या 21736 के तहत 38 वर्षीय मरीज प्रदीप कुमार के लिए जारी किया गया था।

प्रशासन की सख्त कार्रवाई, सब्जी मंडी पूरी तरह हटवाई गई

अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र में लंबे समय से अव्यवस्थित तरीके से लग रही सब्जी मंडी पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। नगर पालिका और प्रशासन की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर मंडी को पूरी तरह खाली करवा दिया। कार्रवाई अधिशासी अधिकारी के नेतृत्व में की गई। अभियान के दौरान सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर लगी सभी अस्थायी दुकानों को हटाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अब सब्जी विक्रेता केवल उसी स्थान पर दुकान लगाएंगे, जो मंडी के लिए निर्धारित किया गया है।

अवैध पोल्ट्री फार्म पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

फतेहपुर। बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में, घनी आबादी और एक धार्मिक स्थल के निकट संचालित एक अवैध पोल्ट्री फार्म को प्रशासन ने शनिवार को खाली करा दिया। उपजिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह के सख्त निर्देश पर तहसीलदार, नगर पंचायत प्रशासन और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

सम्मनपुर हत्या मामले में चार को आजीवन कारावास, दो आरोपी बरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । सम्मनपुर थाना क्षेत्र में 2014 में हुई युवती की हत्या के मामले में अदालत ने चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) राम विलास सिंह की अदालत ने यह फैसला सुनाया।

इस मामले में मृतका की मां और एक अन्य आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया है। मामला मोहिउद्दीनपुर जगन्नाथपुर गांव का है। 20 अप्रैल 2014 को अलगू राम चौहान ने पुलिस को सूचना दी थी कि उनकी 19 वर्षीय बेटी प्रतिमा घर से लापता है। सुबह खोजबीन के दौरान उसका शव पास के खेत में मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई थी।

शुरुआत में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया था। बाद में विवेचना के आधार पर कुछ लोगों को आरोपी बनाया गया था।

2014 की वारदात में कोर्ट का फैसला, साक्ष्यों के आधार पर सुनाई सजा

अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने रामबल चौहान, विक्रम चौहान, उमाशंकर और राजकुमार चौहान को वास्तविक आरोपी बताया। गवाहों ने बयान दिया कि इन्हीं लोगों ने युवती को घर से उठाकर हत्या की थी।

दूसरी ओर, मृतका की मां शारदा देवी और रामइंदर को लेकर पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले। अदालत ने पाया कि जांच में लापरवाही हुई थी और कुछ लोगों को गलत तरीके से फंसाया गया। साक्ष्यों के अभाव में मां शारदा देवी और रामइंदर को बरी कर दिया गया।

अकबरपुर ब्लॉक पर ग्राम प्रधानों का प्रदर्शन, कार्यकाल बढ़ाने की मांग

मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, चुनाव न होने पर प्रशासक नियुक्ति का विरोध

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । त्रिस्तरीय पंचायतों के कार्यकाल विस्तार की मांग को लेकर ग्राम प्रधानों ने शनिवार को प्रदर्शन किया। अकबरपुर ब्लॉक परिसर में एकत्र होकर प्रधानों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई और प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। प्रदर्शन के दौरान प्रधानों ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पंचायत चुनाव कराना संभव नहीं है। ऐसे में प्रशासकों की नियुक्ति करने के बजाय निर्वाचित ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए।

प्रधानों ने बीडीओ और उपजिलाधिकारी विशाल सारस्वत के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि ग्राम स्तर पर विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए मौजूदा प्रतिनिधियों को ही जिम्मेदारी दी जाए।

प्रदर्शन कर रहे प्रधानों ने प्रशासक नियुक्त करने के प्रस्ताव का विरोध किया। उनका कहना है कि इससे गांवों में चल रहे विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही, स्थानीय समस्याओं के समाधान में भी देरी हो सकती है।

प्रधानों ने मांग की कि सरकार इस मुद्दे पर जल्द निर्णय ले और पंचायतों के कार्यकाल को बढ़ाने पर विचार करे। अकबरपुर ब्लॉक प्रधान संघ अध्यक्ष मान सिंह ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल बढ़ाना ग्रामीण व्यवस्था के हित में है। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि जमीनी स्तर पर विकास कार्यों से सीधे जुड़े होते हैं। यदि प्रशासक नियुक्त किए जाते हैं तो विकास कार्यों की गति प्रभावित हो सकती है और ग्रामीण योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पाएगा। उन्होंने सरकार से अपील की कि पंचायतों के हित में कार्यकाल विस्तार पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

थाना समाधान दिवस पर हंसवर में जनसुनवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । शनिवार को थाना समाधान दिवस के अवसर पर हंसवर थाने में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने मौके पर पहुंचकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनसुनवाई में जमीन विवाद, रास्ता, कब्जा और अन्य स्थानीय समस्याओं से जुड़े कई प्रकरण सामने आए। एसपी ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान करना है। इसके लिए पुलिस और राजस्व विभाग के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर शिकायत का मौके पर सत्यापन कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

एसपी ने पुलिस व राजस्व टीम को समयबद्ध कार्रवाई पर दिया जोर

उन्होंने लंबित मामलों की समीक्षा करने और अनावश्यक देरी न करने के भी निर्देश दिए। साथ ही, फरियादियों को समाधान की स्थिति से अवगत कराने पर भी जोर दिया।

जनसुनवाई के दौरान थाने में व्यवस्था बनाए रखी गई। अधिकारियों ने फरियादियों से एक-एक कर समस्याएं सुनीं।

अंबेडकर जयंती पर प्रशासन अलर्ट

14 अप्रैल को जनपद में व्यापक स्तर पर आयोजन, स्वच्छता से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक फोकस

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर में 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को गरिमापूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से मनाने को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर की मौजूदगी में समीक्षा बैठक कर सभी तैयारियों का जायजा लिया।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ प्रस्तावित कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी आयोजन तय समय सीमा के भीतर और आपसी समन्वय के साथ पूरे किए जाएं।

कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत बैठक में संवेदनशील और पूर्व विवादित स्थलों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। सभी उपजिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित पैदल गश्त और रूट मार्च करने को कहा गया।

अराजक तत्वों पर नजर रखने और किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कार्यक्रमों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रतिमा स्थलों की सुरक्षा पर विशेष निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी प्रतिमा स्थलों पर सुरक्षा और संरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यकता हो वहां जाली और छतरी लगाने का कार्य 14 अप्रैल से पहले हर हाल में पूरा किया जाए। साथ ही परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए।

जिलेभर में चलेंगे स्वच्छता अभियान और जनकार्यक्रम

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने बताया कि जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों और सरकारी कार्यालयों में स्थित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं की साफ-सफाई और माल्यार्पण किया जाएगा।

जिला पंचायत सभागार में उनके जीवन और विचारों पर आधारित व्याख्यान आयोजित होगा। साथ ही नगर क्षेत्र में चिकित्सा शिविर और विद्यालयों में निबंध व भाषण प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि कार्यक्रमों के जरिए आमजन और विद्यार्थियों को सामाजिक जागरूकता से जोड़ा जाए।

जलालपुर में अंतरराज्यीय महिला हॉकी प्रतियोगिता तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले

नरेंद्र देव इंटर कॉलेज मैदान पर चार मुकाबले, कई टीमों ने दर्ज की जीत

प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । जलालपुर स्थित नरेंद्र देव इंटर कॉलेज मैदान पर आयोजित अंतरराज्यीय महिला हॉकी प्रतियोगिता के तीसरे दिन शनिवार को रोमांचक मुकाबले खेले गए। अभिनव क्लब के तत्वावधान में चल रही प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल और कौशल का प्रदर्शन किया।

पहला मैच अयोध्या हॉस्टल और एन.ई.आर. के बीच खेला गया। इसमें एन.ई.आर. ने 3-0 से जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला पंजाब और एकलव्य स्टेडियम, अंबेडकर नगर के बीच हुआ, जिसमें पंजाब ने 2-0 से जीत हासिल की।

तीसरे मैच में उत्तर प्रदेश पुलिस और हरदोई आमने-सामने रहीं। इस मुकाबले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने 2-0 से जीत दर्ज की। चौथे मैच में अभिनव क्लब और मानशी फाउंडेशन के बीच खेला गया, जिसमें अभिनव क्लब ने 5-0 से जीत हासिल की। कुलवीर सिंह की कमेंट्री ने मैचों का रोमांच बढ़ाया। दर्शकों की मौजूदगी से मैदान का माहौल उत्साहित रहा।कार्यक्रम में दीपक त्रिपाठी, शनि पांडे, देवेश मिश्र, पंकज वर्मा, केशव श्रीवास्तव, शास्वत मिश्र, विकास निषाद, आदित्य गोयल, स्वाति पाठक सहित कई लोग मौजूद रहे। नारी शक्ति संस्थान की टीम ने भी पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

पूजा यादव और ज्योति बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

अभिनव क्लब की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पूजा यादव और हरदोई की ज्योति को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। दोनों खिलाड़ियों को हॉकी स्टिक देकर सम्मानित किया गया।

'धरती माता बचाओ अभियान' पर समीक्षा बैठक प्राकृतिक खेती पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । कृषि भवन सभागार में शुक्रवार को 'धरती माता बचाओ अभियान' और 'फार्मर रजिस्ट्री' को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विभाग के उप कृषि निदेशक अश्वनी कुमार सिंह ने प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य पर विस्तार से जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप कृषि निदेशक ने कहा कि मिट्टी की उर्वरकता बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग पर चिंता जताई और जैविक खाद के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संतुलित खाद उपयोग और प्राकृतिक खेती अपनाने से मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए कृषि भूमि सुरक्षित रह सकेगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। बैठक में जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया और उसके लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस डिजिटल व्यवस्था से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिलेगा। इसके तहत योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी, सब्सिडी और लाभ पात्र किसानों तक पहुंचेंगे, तथा बैंक ऋण और फसल बीमा की प्रक्रिया आसान होगी। हर किसान का एक यूनिक डेटाबेस तैयार किया जाएगा, जिससे कागजी प्रक्रिया कम होगी। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तेजी से पूरा किया जाए ताकि कोई भी किसान सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे।

कृषि भवन सभागार में बैठक, फार्मर रजिस्ट्री को तेज करने के निर्देश

मांग : उपभोक्ता ने डीएम से की शिकायत, जांच और कार्रवाई की मांग

गैस एजेंसी पर अनियमितता का आरोप

अपील

उपभोक्ता ने कहा कि बिना डीएसी नंबर के डिलीवरी संभव नहीं है, ऐसे में बिना सिलेंडर दिए डिलीवरी दिखाना गंभीर अनियमितता की ओर इशारा करता है।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। एक गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे हैं। तहसील आलापुर क्षेत्र के ग्राम चहोड़ा शाहपुर निवासी गिरजा ने जिलाधिकारी को शिकायत देकर नारायण भारत गैस एजेंसी, मकरही पर अनियमितता और कालाबाजारी का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार उपभोक्ता ने 27 मार्च 2026 को गैस सिलेंडर की बुकिंग कराई थी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें डिलीवरी नहीं मिली। इस दौरान उपभोक्ता को डीएसी नंबर भी प्राप्त नहीं हुआ। इस मामले में एजेंसी पर कालाबाजारी और रिकॉर्ड में हेरफेर के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही जल्द गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की भी अपील की गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और उपभोक्ताओं को राहत कब तक मिलती है।

सिस्टम में डिलीवरी दर्ज, उपभोक्ता को नहीं मिला सिलेंडर

उपभोक्ता का आरोप है कि बाद में जब उन्होंने दोबारा बुकिंग की कोशिश की तो रिकॉर्ड में चौंकाने वाली स्थिति सामने आई। एजेंसी के सिस्टम में 27 मार्च को ही उनके नाम से गैस सिलेंडर की डिलीवरी दिखा दी गई, जबकि वास्तविक रूप से उन्हें कोई सिलेंडर नहीं मिला।

इसके साथ ही अगली बुकिंग की तिथि 11 मई 2026 दर्ज होने से उपभोक्ता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्मिता योजना के तहत महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता 16 अप्रैल को

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ASMITA (Achieving Sports Milestone by Inspiring Women Through Action) योजना के तहत महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता 16 अप्रैल को राजकीय एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगी।

यह आयोजन यूपी ओलंपिक एसोसिएशन के निर्देश पर जिला ओलंपिक संघ द्वारा कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को खेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है।

आयोजन सचिव के अनुसार यह योजना स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और खेलो इंडिया से मान्यताप्राप्त है। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और जमीनी स्तर की महिला खिलाड़ियों को आगे लाना है।खेलों के माध्यम से फिटनेस, आत्मविश्वास और खेल संस्कृति को बढ़ावा देना भी इसका लक्ष्य है। प्रतियोगिता में जनपद की विभिन्न टीमें भाग लेंगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को मेडल, टी-शर्ट और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।आयोजन समिति ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बालिकाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।जिला ओलंपिक संघ ने सभी विद्यालयों, खेल प्रशिक्षकों और अभिभावकों से अधिक से अधिक बालिकाओं को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित करने की अपील की है।

राजकीय एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा आयोजन, बालिकाओं को मिलेगा खेल मंच

सम्पादकीय

जासूसी का जाल, साजिश रचने में लगा आईएसआई

दिल्ली पुलिस की ओर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े संदिग्ध आतंकियों के एक और गुट का भंडाफोड़ यही बताता है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ बड़े पैमाने पर साजिश रचने में लगा हुआ है और उसने भारत के संवेदनशील ठिकानों की जासूसी के लिए एक बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया है।

चिंता की बात केवल यह नहीं कि पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले संदिग्ध आतंकी उसे महत्वपूर्ण स्थलों के लाइव फुटेज भेज रहे, बल्कि यह भी है कि वे ऐसे ठिकानों की भी जानकारी प्रेषित कर रहे, जहां आतंकी हमले किए जा सकें। इसका मतलब है कि आपरेशन सिंदूर में पस्त होने से बौखलाया पाकिस्तान भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए हर संभव तरीके से हाथ-पांव मार रहा है।

एक ओर वह अमेरिका की चापलूसी करके अपनी अंतर-राष्ट्रीय छवि सुधारने की चेष्टा के साथ खुद को शांति दूत के रूप में पेश कर रहा है और दूसरी ओर आतंक को पालने-पोसने से बाज नहीं आ रहा है। वह जैसी खतरनाक भारत विरोधी हरकतों में लिप्त है, उनसे यही पता चलता है कि वह पहले की ही तरह जिहादियों को तैयार करने में लगा हुआ है।

भारत को पाकिस्तान को चेताने के साथ ही उसके शैतानी चेहरे को बेनकाब करने के लिए नए सिरे से सक्रियता दिखानी होगी, क्योंकि उसके यहां का आतंकी ढांचा जस का तस है। वहां किस प्रकार पहले की ही तरह जिहादी तैयार हो रहे हैं, इसका ताजा उदाहरण हाल में कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकी की गिरफ्तारी है। इसके अलावा गत दिनों एक पाकिस्तानी इस्लामिक स्टेट से प्रेरित होकर न्यूयार्क के एक यहूदी केंद्र पर आतंकी हमले की साजिश में पकड़ा गया।

इस पर अमेरिका के साथ पश्चिम के अन्य देशों को भी गौर करना होगा, क्योंकि यह पहला ऐसा मामला नहीं, जब कोई पाकिस्तानी आतंकी विदेश में किसी आतंकी हमले की साजिश में लिप्त पाया गया हो। दुनिया को समझना होगा कि पाकिस्तान अब भी आतंक का निर्यात करने में लगा हुआ है। वह भारत के साथ अफगानिस्तान को भी अस्थिर करने की ताक में है। हमारे नीति-नियंताओं को इससे चिंतित होना चाहिए कि पाकिस्तान को अपने लिए जासूसी करने यानी भारत से गद्दारी करने वाले तत्व इतनी आसानी से कैसे मिल जा रहे हैं। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि वे या तो जिहादी बनने के उन्माद से ग्रस्त होकर पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे हैं या फिर पैसों के लालच में देश के दुश्मन बन जा रहे हैं। यह गंभीर बात है कि पिछले एक अर्से से ऐसे तत्व बड़ी संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से पकड़े गए हैं, जो पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके लिए भारत में आतंक फैलाने के लिए काम कर रहे थे। साफ है कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों को और अधिक चौकसी बरतनी होगी।

भारतीय राजनीति का 'नया भूगोल'

भारत में 'नारी शक्ति' का नया अध्याय

> 66 देश को उम्मीद है कि लोकसभा की नई सरंचना न केवल भारत की बढ़ती आबादी का प्रतिनिधित्व करेगी, बल्कि 'नारी शक्ति' को राष्ट्र के नीति-निर्माण में बराबर का हिस्सेदार बनाएगी।

भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में 16 अप्रैल का दिन एक युगांतरकारी मोड़ साबित हो सकता है। केंद्र सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को धरातल पर उतारने के लिए एक साहसिक और दूरगामी योजना तैयार की है। इस योजना के केंद्र में केवल महिला आरक्षण ही नहीं, बल्कि लोकसभा की संरचना में अब तक का सबसे बड़ा विस्तार भी शामिल है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बड़े संशोधनों के साथ ही लोकसभा की 50 प्रतिशत सीटो की बढ़ोतरी की तैयारी कर ली है। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य न केवल विधायी निकायों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है बल्कि दशकों से लंबित परिसीमन की प्रक्रिया को एक नई दिशा देना भी है। सरकार द्वारा इस तैयारी के लिए खींचे गये खाके को लेकर स्पष्ट कर दिया है कि वह महिलाओं को संसद में भेजने के अपने वादे को 2029 के आम चुनाव तक हर हाल में पूरा करना चाहती है। संसद के बजट सत्र के अंतिम दिन केंद्र सरकार ने भारतीय राजनीति और संसदीय इतिहास में उस समय चौंकाने वाला निर्णय लिया जिसमें अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने वाले बजट सत्र को समाप्त करने के बजाय, 16 अप्रैल सुबह 11 बजे तक के लिए टाल दिया गया है। यानी संसद के बजट सत्र का यह विशेष हिस्सा अब 16 से 18 अप्रैल तक फिर से चलेगा। केंद्र सरकार का मकसद 'महिला आरक्षण कानून' (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को समय से पहले जमीन पर उतारना है। सरकार का पूरा फोकस अब उस कानूनी अड़चन को खत्म करना है जो महिला आरक्षण और जनगणना तथा परिसीमन के बीच फंसी हुई है। दरअसल 2023 में पास हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के मुताबिक, आरक्षण अगली जनगणना के बाद ही लागू हो सकता था जिसमें वर्षों का समय लगना स्वाभाविक था। अब सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर ही लंबित परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए संशोधन बिल लाने की तैयारी में है। सरकार चाहती है कि महिलाओं को उनके हक के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। इसलिए जनगणना और परिसीमन की तकनीकी अड़चनों को दूर करने के लिए यह सत्र मील का पत्थर साबित होगा। इस सत्र के विस्तार का सबसे बड़ा आकर्षण लोकसभा सीटों का पुनर्गठन हो सकता है। चर्चा है कि सरकार सदन में सीटों की संख्या 543 में 50 फीसदी सीटे बढ़ाने का प्रस्ताव है जिससे लोकसभा की 816 सीटें होने पर 33 प्रतिशत यानी एक-तिहाई आरक्षण के फार्मूले के तहत लोकसभा में लगभग 273 सीटें सीधे महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। मसलन इन 273 सीटों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उनके आरक्षित कोटे के भीतर सीटें तय होंगी। संसद में यदि यह संशोधन पास होता है तो 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले ही देश की संसद का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा और महिलाओं की भागीदारी ऐतिहासिक स्तर पर पहुँच जाएगी। माना जा रहा है कि इसके लिए बजट सत्र की आगामी तीन दिन की बैठकों में सरकार जहां एक संविधान संशोधन विधेयक के जरिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में बदलाव करेगी, वहीं दूसरा सामान्य विधेयक परिसीमन अधिनियम में संशोधन लाएगी। इन दोनों प्रस्तावित कानून 31 मार्च 2029 से लागू किया जा सकता है। यदि ऐसा हुआ तो आगामी लोकसभा चुनावों और ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को आरक्षण मिल सकेगा। यही फॉर्मूला राज्यों की विधानसभाओं में भी लागू किया जाएगा, ताकि पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का एक समान ढांचा तैयार हो सके। माना जा रहा है कि उत्तर बनाम दक्षिणसीटों की संख्या बढ़ने से बड़े राज्यों, विशेषकर हिंदी भाषी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा। नए परिसीमन के जरिए राज्यों में फिलहाल संसदीय सीटों में 50 फीसदी बढ़ोतरी होगी और उत्तर प्रदेश में यह संख्या सबसे ज्यादा होकर तीन अंक में पहुंच जाएगी।

वर्तमान में लोकसभा की सदस्य संख्या 543 है, जो 1971 की जनगणना के आधार पर टिकी हुई है। सरकार के नए प्रस्ताव के अनुसार यदि सीटों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी होती है तो यह संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी। इस विस्तार का आधार 2011 की जनगणना को बनाया जाएगा यानी अब 2011 के आंकड़ों के आधार पर ही सीटों का पुनर्गठन (परिसीमन) किया जाएगा। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नई जनगणना में होने वाली देरी के कारण आरक्षण के क्रियान्वयन में बाधा आ रही थी। यदि ये दोनों विधेयक संसद में पारित हाते हैं, तो महिला आरक्षण के बाद यूपी में सबसे ज्यादा 40 लोकसभा सीटें बढ़ेंगी। 80 से बढ़कर 120 हो जाएंगी। महाराष्ट्र में 48 से बढ़कर 72 हो जाएंगी, जिनमें महिलाओं के लिए 24 सीटें आरक्षित होगी। बिहार में महिला सीटों की संख्या 20 हो सकती है, जहां कुल सीटें 40 से 60 तक पहुंच सकती है। मध्यप्रदेश में 29 से 44 सीटों में 15 महिला आरक्षित सीटें बढ़ सकती हैं। तमिलनाडु में 39 से 59 प्रस्तावित सीटों में 20 और दिल्ली प्रस्तावित 11 में 4 यानी महिला सीटें होंगी। झारखंड में 7 महिला आरक्षित सीटें बढ़ने का अनुमान है, जहां फिलहाल 14 सीटें हैं। ऐसे ही अन्य राज्यों की सीटे भी नए परिसीमन में बढ़ेंगी। सरकार को हालांकि इस ऐतिहासिक बदलाव को अमली जामा पहनाने के लिए दो मोर्चों पर काम करना होगा। इसके लिए संविधान संशोधन के लिए सरकार को संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता है। यानी इन दोनों विधेयकों को पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। इसी वजह से सरकार विपक्ष का समर्थन जुटाने में लगी है। यही कारण है कि इसके लिए गृहमंत्री अमित शाह सपा, राजद, बीजद, वाईएसआर कांग्रेस, एनसीपी (एसपी), और एआईए-मआईएम जैसे विपक्षी दलों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं।

ओ.पी. पाल

निजी विद्यालय इस प्रवृत्ति ...

सरदूल सिंह

बोर्ड परीक्षा परिणाम का अंकगणित और 'फील गुड' का भ्रम

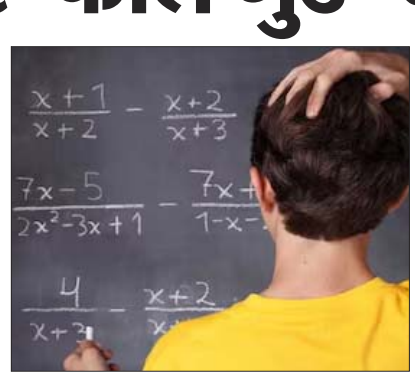

गत दिनों माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान द्वारा दसवीं और बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। आंकड़ों का विश्लेषण कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करता है। उदाहरण के लिए, बारहवीं कक्षा के कला वर्ग में लगभग 5.33 लाख विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जिनमें 65 प्रतिशत से अधिक प्रथम श्रेणी में रहे। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने वालों में छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक रही। सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा ने 99.62 प्रतिशत अंक हासिल किए।

यह प्रवृत्ति केवल एक वर्ष की नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से बोर्ड परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी छात्राएं लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उच्च शिक्षा में नामांकन के आंकड़े भी इसी दिशा की ओर संकेत करते हैं—जहां छात्राओं का नामांकन बढ़ रहा है, वहीं छात्रों का घट रहा है। यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव है, जिसे गंभीरता से समझने की आवश्यकता है।

आज स्थिति यह है कि सरकारी विद्यालयों में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के 80 से 90 प्रतिशत तक अंक आ रहे हैं। कुल मिलाकर प्रथम श्रेणी प्राप्त करना अब कोई असाधारण उपलब्धि नहीं रह गई है। यदि हम अतीत से तुलना करें, तो 1960 से 1980 के दशक तक साक्षरता दर बहुत कम थी। उस समय किसी बच्चे का स्कूल जाना ही बड़ी बात होती थी, और 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना तो एक आश्चर्यजनक उपलब्धि मानी जाती थी। ग्रामीण क्षेत्रों में तो ऐसे बच्चों को देखने के लिए लोग घर तक पहुंच जाते थे। उसे जमाने में दसवीं तक शिक्षित ही रोजगार वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाता था। लोग सेवा की बजाय कृषि क्षेत्र में जाना ज्यादा उचित समझते थे क्योंकि कृषि क्षेत्र में उच्च तकनीक का प्रवेश नहीं हुआ था जिससे मानव श्रम की ज्यादा आवश्यकता थी और लोग ₹उत्तम खेती मध्यम व्यापार निषेध चाकरी₹ वाली कहावत के अनुसार नौकरी की तरफ कम ध्यान देते थे. ज्यों ही 1980 के बाद खेती और कारखाने में उच्च तकनीक का प्रवेश हुआ मानव श्रम को खेती और कारखाने के उत्पादन क्षेत्र से बाहर कर दिया तो युवा सेवा क्षेत्र की ओर मुड़ने लगे, लेकिन सेवा क्षेत्र में भी पूंजी के उदारीकरण तथा सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण तथा वैश्वीकरण के कारण सेवा के क्षेत्र के अवसर सीमित कर दिए गए। वर्तमान में तो तकनीक ए आई तक उन्नत हो गई है इसलिए प्रतिवर्ष केवल राजस्थान में लाखों युवक उच्च शिक्षाधारी बन कर निकल रहे हैं। रोजगार के अवसर न होने के कारण वे अपनी डिग्रियों और प्रमाण पत्रों को सहजने से भी कतरा रहे हैं।

दूसरी तरफ आज एलकेजी और यूकेजी स्तर पर भी 90 प्रतिशत से कम अंक आने पर अभिभावक चिंतित हो जाते हैं। बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ता है और अंक ही सफलता का प्रमुख मापदंड बन जाते हैं। विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच अंकों की दौड़ लगातार तेज हो रही है।

निजी विद्यालय इस प्रवृत्ति को अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करते हैं, क्योंकि उनके लिए प्रतिस्पर्धा में बने रहना और नामांकन बढ़ाना आवश्यक है। दूसरी ओर, सरकारी विद्यालयों में भी अच्छे परिणामों का उपयोग नामांकन अभियान को मजबूत करने के लिए किया जाता है। लेकिन यदि हम सरकारी विद्यालयों की वास्तविक स्थिति पर नजर डालें, तो एक अलग तस्वीर सामने आती है। लगभग 25 प्रतिशत पद वर्षों से रिक्त हैं। उपलब्ध शिक्षकों को भी अक्सर गैर-शैक्षिक कार्यों—जैसे मतदाता सूची, जनगणना, स्वास्थ्य और राजस्व विभाग के कार्यों—में लगा दिया जाता है। इसके बावजूद परीक्षा परिणामों में निरंतर सुधार कई सवाल खड़े करता है।

यदि शिक्षक-विहीन विद्यालयों में भी उत्कृष्ट परिणाम आ सकते हैं, तो क्या यह माना जाए कि शिक्षकों की आवश्यकता कम हो गई है? या फिर परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन प्रक्रिया में ही कोई बदलाव आया है?

शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न आरटीई (Right to Education) से जुड़ा है। निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत आरक्षण के तहत नामांकन बढ़ रहा है जबकि सरकारी विद्यालयों में नामांकन घटता जा रहा है।

तब हमारा...

वेदव्यास

अंधेरे में रोशनी की तलाश

> इस तरह यह भारतीय समाज भी हमारे भले-बुरे का प्रतिफल ही है। यह लोकतंत्र का ही सबसे बड़ा तिलिस्म है कि यहां हजारों साल की गुलामी, सैकड़ों साल के स्वतंत्रता संग्राम और लाखों समस्याएं देख-समझ कर भी लोक और तंत्र का शीतयुद्ध किसी एक लक्ष्य और संकल्प को तय नहीं कर पाया है।

भारत इस दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है इसीलिए यहां लोक की अपनी अलग कहानी है और तंत्र की अपनी कहानी है। यहां लोक ने परलोक के, ईमानदार ने भ्रष्टाचार के, पाप ने पुण्य के, भिखारी ने दाता बनने के, राजा ने भाग्यविधाता होने के, नर ने नारायण तक जाने के और नरक से स्वर्ग तक जाने के सारे रास्ते बना रखे हैं। यहां कोई किसी के भरोसे नहीं है। सभी अपने-अपने कर्म कर रहे हैं और अपने-अपने भाग्य की कमाई खा रहे हैं। सभी स्वतंत्र हैं और सभी गुलाम हैं। समय से पहले और भाग्य से अधिक यहां किसी को कुछ नहीं मिलता है। पूरा लोक ही भय, भाग्य और भगवान से संचालित है। हजारों साल से हम ही इस लोक के निर्भाता हैं और हम ही इसके मुक्तिदाता हैं। 1947 तक हमारा एक ही ध्येय वाक्य था कि आजादी हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे लेकिन आजादी के बाद जिस भारत के संविधान को लेकर हम राष्ट्र निर्माण की राह पर चल रहे हैं उसका कुल नतीजा यह मिला है कि विकास और परिवर्तन के नाम पर तो हमने बहुत कुछ पाया है किंतु राष्ट्र चरित्र के नाम पर हमने सब कुछ खो दिया हैं। इसे इतिहास-भूगोल, ज्ञान-विज्ञान, भक्ति -आध्यात्मिक और भूत भविष्य तो मिला है लेकिन इसके पास कोई वर्तमान नहीं है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने पहली बार 1948 में संविधान सभा के नेतृत्व में इस भारतीय लोकतंत्र की दशा, दिशा और संभावनाओं का परिसीमन स्थापित किया था और इस लोकतंत्र को गणतंत्र का नाम दिया था और सामाजिक-आर्थिक न्याय की सभी परिभाषाएं दी थीं। इस भारत को एक लोकतांत्रिक, समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष पहचान दी थी और बंकिमचंद्र चटर्जी के 'वंदेमातरम' राष्ट्रगीत से और रविंद्रनाथ टैगोर के 'जन-गण-मन अधिनायक जय हे' के राष्ट्रगान से सुशोभित किया था। तब हमारा पहला लक्ष्य यह था कि भारत एक आजाद मुल्क बने और फिर दूसरा संकल्प संविधान से यह मिला कि भारत का समाज धर्म, जाति, भाषा तथा क्षेत्रीयता की भावनाओं से मुक्त होकर एक हृदय हो भारत जननी का उद्घोष करे। वह एक राष्ट्र, एक संविधान, एक तिरंगा, एक विधायिका, एक कार्यपालिका और एक न्यायपालिका से संचालित एवं निर्देशित हो। डॉ. अंबेडकर ने और हमारे संविधान सभा ने भारत के लोकतंत्र को मनुष्य, समाज और समय का वह सब कुछ लिखकर सौंप दिया लेकिन आज हम अपने लोक में तंत्र (व्यवस्था) का अनहदनाद ही सुनते हैं तो हमें लगता है कि महात्मा गांधी ही अब यहां सबसे अधिक उपेक्षित हैं और अंबेडकर सबसे अधिक प्रताड़ित हैं।

आसान नहीं होता युद्ध खत्म करना

वियतनाम युद्ध में हुई किरकिरी से सबक लेते हुए जब अमेरिकी सेनाएं 1991 के खाड़ी युद्ध में उतरीं तो उन्होंने थल, नभ एवं जल सेना के ऐसे अभूतपूर्व समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत किया कि चंद दिनों में ही युद्ध का निर्णायक फैसला हो गया। आपरेशन डेजर्ट स्टार्म नाम से चला वह अभियान अमेरिका की बड़ी सैन्य सफलताओं में से एक माना जाता है।

हालांकि उसके कुछ साल बाद ही अफगानिस्तान में अमेरिका का आतंक विरोधी अभियान इतना लंबा खिंचा कि उसे कभी न समाप्त होने वाले 'अंतहीन युद्ध' की संज्ञा मिलने लगी। अमेरिकी सेना के सबसे लंबे अभियान के रूप में दर्ज हुए इस अभियान के विषय में यह भी कहा जा सकता है कि अमेरिका को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी, क्योंकि तालिबान फिर से अफगानि-स्तान की सत्ता पर काबिज हो गए।

इसी तरह रूस ने भी यूक्रेन पर इसी धारणा के साथ हमला किया कि कुछ ही दिनों में वह हथियार डाल देगा, लेकिन वह लड़ाई अभी तक जारी है। अक्टूबर 2023 में जब हमास के हमले के बाद इजरायल ने गाजा को निशाना बनाया तो यही माना गया था कि थोड़े समय में ही यह लड़ाई थम जाएगी, मगर उस लड़ाई का दायरा बढ़कर लेबनान, सीरिया और यमन तक विस्तारित होता गया। हालांकि जनवरी में वहां एक युद्धविराम की स्थिति तो बनी, लेकिन वहां भीषण मानवीय आपदा की स्थिति को अनदेखा नहीं किया जा सकता। ईरान युद्ध का उदाहरण लें तो उसकी शुरुआत भी संभवतः इसी विचार के साथ हुई हो कि जल्द ही इसका परिणाम सामने आ जाएगा। शुरुआती दौर में ही शीर्ष नेता अयातुल्ला खामेनेई की हत्या इसी धारणा के अनुरूप थी कि इससे शासन परिवर्तन में आसानी होगी। हालांकि खामेनेई की मौत ने शासन परिवर्तन के बजाय ईरानियों को और एकजुट करने का ही काम किया।

जगतबीर सिंह

जरा हटके

परिणामस्वरूप, अनेक...

गौतम चौधरी

मदरसा और विश्वविद्यालयों का एकीकरण परंपरा व प्रयोग का बेहतर संतुलन

उत्तर प्रदेश में मदरसा शिक्षा को लेकर हाल के घटनाक्रम, भारतीय मुस्लिम समुदाय की शैक्षिक और सामाजिक दिशा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत है। उच्चतम न्यायालय द्वारा उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड को कामिल और फ़ाज़िल जैसी उच्च डिग्रियाँ प्रदान करने के अधिकार को अमान्य ठहराए जाने के बाद, स्वाभाविक रूप से विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच अनिश्चितता का माहौल बना। इसके प्रत्युत्तर में राज्य सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 में संशोधन कर मदरसों को राज्य विश्वविद्यालयों से जोड़ने का प्रस्ताव, नई दिशा की ओर संकेत करता है। यह आने वाले समय के लिए बेहतर विकल्प भी साबित हो सकता है।

यह पहल केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि एक व्यापक शैक्षिक पुनर्संतुलन का प्रयास है जहाँ पारंपरिक इस्लामी शिक्षा और आधुनिक उच्च शिक्षा प्रणाली के बीच एक सार्थक सेतु स्थापित किया जा सकता है।

मदरसों ने ऐतिहासिक रूप से मुस्लिम समाज, विशेषकर सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस संस्था ने धार्मिक अध्ययन, इस्लामी न्यायशास्त्र और शास्त्रीय भाषाओं की समृद्ध परंपरा को संरक्षित रखा है किंतु बदलती आर्थिक और पेशेवर आवश्यकताओं के संदर्भ में यह भी स्पष्ट हुआ है कि मदरसा शिक्षा की पारंपरिक संरचना, छात्रों को व्यापक रोजगार और उच्च शिक्षा के अवसरों से पूर्णतः नहीं जोड़ पाती है।

विशेष रूप से कामिल और फ़ाज़िल जैसी डिग्रियाँ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के ढाँचे में औपचारिक मान्यता के अभाव में, छात्रों के लिए उच्च शिक्षा, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और विविध पेशेवर क्षेत्रों में प्रवेश को सीमित करती रही हैं। परिणामस्वरूप, अनेक प्रतिभाशाली छात्र अपने विकल्पों को सीमित दायरे में पाते हैं। ऐसे में मदरसों को विश्वविद्यालयों से संबद्ध करने का प्रस्ताव संभावनाओं के नए द्वार खोल सकता है। यदि इन डिग्रियों को उपयुक्त "ब्रिज कोर्स" और पाठ्यक्रम सुधार के माध्यम से विश्वविद्यालयी ढाँचे में समाहित किया जाता है तो छात्र न केवल आधुनिक विषयों और शिक्षण पद्धतियों से परिचित होंगे बल्कि व्यापक शैक्षिक और व्यावसायिक अवसरों तक भी उनकी पहुँच सुनिश्चित हो सकेगी।

अंधकार से प्रकाश की और

हर व्यक्ति को , जो अच्छा या बड़ा आदि जो भी काम करना चाहता हैं , लंबे समय तक की चिंतनपूर्वक उसको योजना आगे की बनानी चाहिए । बुद्धिमान वह काम कर देता हैं जिसके बारे में साधारण आदमी कभी भी सोच ही नहीं सकता हैं । बुद्धिमान आदमी जो भी करता हैं, उसकी कल्पना भी सामान्य आदमी नहीं कर सकता हैं । आज के विज्ञान ने तो यह साबित किया हैं कि जो आदमी मस्तिष्क से काम लेता हैं, वह सौ वर्ष का हो जाए तो भी उसकी बुद्धि बहुत प्रखर रहती हैं । मस्तिष्क से काम न ले तो चालीस वर्ष का भी बूढ़ा हो जाता हैं । कौन व्यक्ति कितना मस्तिष्क से काम लेता हैं , इस पर बहुत कुछ निर्भर हैं । आजकल एक वैज्ञानिक मान्यता यह हो गईं हैं कि जो मस्तिष्क से काम नहीं लेता , वह जल्दी बूढ़ा हो जाता हैं और जल्दी मरता हैं । मस्तिष्क से काम लेता हैं, वह दीर्घायु भी होता हैं और काम भी अच्छा कर सकता हैं । वह जीवन में स्फूर्ति और शक्ति आती रहती हैं । वह चेतना जागृत रहती हैं । वह दार्शनिक दृष्टि से हम विचार करें तो जीवन शैली अलग प्रकार की होगी । जहां यह मान लेते हैं कि शरीर जीव से अलग हैं, वहां जीवन शैली अलग प्रकार की हो जाएगी। वहां यह दृष्टिकोण स्पष्ट रहता हैं कि जीवन की स्माप्ति के बाद सबकुछ समाप्त नहीं होता हैं । आत्मा अमर हैं, उसका पुनर्जन्म होता हैं, उसकी गति होती हैं । अच्छा कर्म करने वाला अच्छी गति में जाता हैं । बुरा कर्म करने वाला बुरी गति में जाता हैं । आत्मा को स्वीकार करें तो कर्मवाद का सिद्धांत सामने आ जाएगा । वह अगर आत्मा नहीं हैं तो कर्मवाद की कोई जड़ नहीं हैं । मूल जड़ आत्मा , चेतना हैं । आत्मा है तो फिर कर्म हैं । अच्छे कर्म का अच्छा फल , बुरे कर्म का बुरा फल हैं । आत्मवाद, कर्मवाद, क्रियावाद, लोकवाद ये जैन दर्शन के चार आधार बनते हैं ये चार सिद्धांत बनते हैं, पर सबकुछ आत्मा पर आवृत हैं । यदि आत्मा की अमरता का सिद्धांत नहीं होता तो इसकी कोई आवश्यकता नहीं होती हैं । वह जहां आत्मा में विश्वास नहीं होता वहां पदार्थो का संग्रह करना , अधिक से अधिक भोग करना - यह भोग प्रधान जीवन शैली बन जाता हैं । वहां संयमप्रधान जीवन शैली नहीं हो सकती हैं । बहुत लोग कहते हैं कि यह अवसर मिला हैं, बार- बार नहीं मिलेगा । कौन जानता हैं परलोक हैं या नहीं । वह जो भोग करना हैं, जितना भोग करना हैं अभी कर लो । युग सतत परिवर्त-नशील है। इस परिवर्तनशील युग में हर चीज को पकड़े रखना हमारे द्वारा अपने को पीछे धकेलना है। वह प्रयोग की दृष्टि से प्रयोगबाह्य अप्रचलित को विवेकपूर्वक छोड़ना ही समय के साथ चलते रहना है । पर छोड़ना भी एक कला है । समय के साथ बदलते रहना व तदर्थ पुरातन को छोड़ना भी समय के साथ चलते रहने की सुंदर कला है । क्योंकि जो चीज, जो रीति-रिवाज हमारी चेतना से बड़ी बन जाती है वह दंड देने वाली छड़ी के समान हो जाती हैं।

› प्रदीप छाजेड़

मिर्जापुर में मॉर्निंग वॉक पर वकील की हत्या

2 हमलावर आए, सीने पर गोली मारी, लोग पकड़ने दौड़े तो तमंचा ताना

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मिर्जापुर । मिर्जापुर में शनिवार सुबह 7.15 बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले सीनियर वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दो हमलावर बाइक से आए। उन्हें रास्ते में रोका और सीने में तमंचा सटाकर गोली मार दी। खून से लथपथ वकील जमीन पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात CCTV में रिकॉर्ड हो गई।

वकील का नाम राजीव सिंह (45) है। उनकी पत्नी ग्राम प्रधान हैं। खुद भी 2 बार प्रधान रह चुके थे। वारदात के बाद भागते वक्त हमलावरों की बाइक बंद हो गई। लोग उन्हें पकड़ने दौड़े तो उन्होंने तमंचा तान दिया। डरकर लोग पीछे हट गए। घटना जिला मुख्यालय से 2 किलोमीटर दूर कटरा कोतवाली क्षेत्र के कतवारु का पुरा मोहल्ले की है।

एक मिनट के CCTV में दिख रहा है कि हमलावर बाइक से

आरोपी भी प्रधानी का चुनाव लड़ चुका है

एसएसपी ने बताया- मुख्य आरोपी की पहचान हो गई है। मुख्य आरोपी राजेंद्र सोनकर भी वकील के गांव देवरी का रहने वाला है। प्रधानी का चुनाव लड़ चुका है। उसकी राजीव सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह से चुनावी रंजिश चल रही थी। हालांकि, दूसरे आरोपी की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।

वकील की पत्नी गांव में प्रधान, परिवार शहर में रहता है

मूलरूप से विंध्याचल थाना के देवरी गांव के रहने वाले राजीव सिंह उर्फ रिंकू कटरा कोतवाली में रहते थे। 2011 में यहां जमीन खरीदकर मकान बनवाया था। बच्चों की पढ़ाई की वजह से यहीं रहते थे। यहीं से कोर्ट आते-जाते थे। गांव में पत्नी प्रतिभा सिंह (40) प्रधान हैं। इस वजह से गांव भी आना जाना लगा रहता था। उनके 2 बेटे ओम (18) और सार्थक (12) हैं। एसपी अपर्णा रजत ने बताया- राजीव सुबह घर से मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। घर से कुछ ही दूरी पर पहुंचे थे, तभी बाइक सवार बदमाश हत्या करके फरार हो गए। आसपास के लोग घायल वकील को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

थे। नीली शर्ट पहना आरोपी बाइक चला रहा था। सफेद पैंट शर्ट के साथ गले में गमछा लटकाए हमलावर पीछे बैठा था। वकील को देखकर हमलावर हाथ में तमंचा लेकर उतरता है। रोककर फायर कर देता है। वारदात के बाद हमलावर और उसके साथी ने भागने की कोशिश की, लेकिन बाइक स्टार्ट नहीं हुई। बाइक चला रहे साथी आरोपी ने 15-16 बार किक मारी, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

राजीव सिंह की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। वो पति के शव से लिपटकर रो पड़ी। बेटा पिता के पैर पकड़कर रोता रहा।

एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने बताया चुनावी रंजिश में हत्या की बात सामने आई है। मृतक राजीव सिंह की पत्नी ग्राम प्रधान हैं। हमलावर की पहचान हो गई है। वह भी वकील के गांव में प्रधानी का चुनाव लड़ चुका है। 7 महीने पहले भी हमलावर ने वकील से मारपीट की थी। गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई गई हैं।

शटर और दीवार की बीच चोर की फंसी गर्दन

गाजियाबाद में शटर काटकर बाहर निकाला

तमसा संकेत, एजेंसी

लोनी । गाजियाबाद में एक क्लीनिक की दीवार और शटर के बीच चोर फंस गया। चोर क्लीनिक में चोरी करने के लिए छत के रास्ते अंदर घुस रहा था। नीचे उतरते समय वह शटर और कंक्रीट की दीवार के बीच फंस गया। उसकी गर्दन शटर और दीवार के बीच अटक गई।

करीब 6 घंटे तक वह उसी हालत में फंसा रहा। शनिवार दोपहर जब डॉक्टर क्लीनिक पर पहुंचे, तब इसकी जानकारी हुई। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने पहुंचकर रेस्क्यू किया। शटर काटकर चोर को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मामला इंदिरापुरम थाना क्षेत्र का है।

पकड़े गए चोर का नाम अभिषेक

है। वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 7 बजे वह अभय खंड स्थित एक क्लीनिक में चोरी करने घुस रहा था।

शटर के ऊपरी हिस्से में थोड़ी जगह थी। अभिषेक छत पर चढ़ गया। इसी जगह से वह अंदर घुसने लगा। उसका धड़ किसी तरह क्लीनिक के अंदर निकल गया, लेकिन गर्दन शटर और दीवार के बीच फंस गई।

फास्ट न्यूज

बेकरी में लगी आग, लाखों का सामान हुआ खाक

बाराबंकी। बाराबंकी शहर के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित छाया चौराहे पर 'टंडन बेकरी' में शुक्रवार देर रात आग लग गई। इस घटना में बेकरी के भीतर रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। समय रहते धुएं पर लोगों की नजर पड़ने से एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात जब दुकान बंद थी, तभी स्थानीय लोगों ने शटर के भीतर से काला धुआं निकलते देखा।

वाराणसी में देवर ने भाभी को मार डाला

वाराणसी । वाराणसी में शनिवार सुबह देवर ने भाभी की हत्या कर दी। उसने कुल्हाड़ी से भाभी पर ताबड़तोड़ कई वार किए। काफी देर तक सिर, गर्दन और पैर पर वार करता रहा। इस दौरान भाभी का एक पैर कटकर अलग हो गया। खून से लथपथ भाभी काफी देर तक तड़पती रही। बाद में उसकी मौत हो गई। इस दौरान देवर उसके पास ही बैठा रहा।

चीख-पुकार सुनकर मां मौके पर पहुंची, तो फर्श पर खून ही खून पड़ा था। बहू की लाश के पास छोटा बेटा बैठा था। वो चीख पड़ी। आवाज सुनकर पड़ोसी भी भागकर आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देवर को हिरासत में ले लिया।

वाराणसी में कार खड़ी करने पर बवाल

वाराणसी। वाराणसी के हरिश्चंद्र घाट मार्ग के मोड़ पर उस समय हड़कंप मच गया, जब पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल के निरीक्षण से पहले कुछ पर्यटक युवकों ने एक दुकानदार के साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, चारपहिया वाहन से बनारस घूमने आए युवकों का किसी बात को लेकर स्थानीय दुकानदार से विवाद हो गया।

पयागपुर में 'मौत का नेटवर्क' झोलाछाप डॉक्टरों का खुला खेल

जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । जिले की पयागपुर तहसील आजकल एक खतरनाक सच्चाई से जूझ रही है—यहां झोलाछाप डॉक्टरों का पूरा नेटवर्क सक्रिय है। काशीजोत कॉलोनी, पयागपुर चौराहा, विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र मे, खुटेहना चौराहा, कोटबाजार और बागेश्वरनाथ तक अवैध क्लीनिकों की भरमार है, जहां बिना किसी वैध डिग्री के लोग मरीजों का इलाज कर रहे हैं। गांव-देहात के भोले-भाले लोगों को सस्ते इलाज और तुरंत राहत का झांसा देकर इन झोलाछापों द्वारा गलत दवाइयां, एक्सपायरी इंजेक्शन और बिना जांच के खतरनाक उपचार किए जा रहे हैं। नतीजा—कई मरीजों की हालत बिगड़ जाती है, कई अपनी जान गंवा चुके हैं और कई लोग जिंदगी भर के लिए अपंग हो गए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि ये अवैध क्लीनिक खुलेआम चल रहे हैं—न कोई

रजिस्ट्रेशन, न कोई लाइसेंस, न कोई मेडिकल मानक। फिर भी इन पर कार्रवाई नहीं हो रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को इसकी पूरी जानकारी है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है। सूत्रों की मानें तो कुछ जगहों पर संरक्षण और मिलीभगत के भी आरोप लग रहे हैं, जिससे इन झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले और बढ़ गए हैं। यही कारण है कि हर गली-चौराहे पर 'डॉक्टर' की नेमप्लेट टंगी नजर आती है, लेकिन अंदर बैठा व्यक्ति मरीजों की जिंदगी से खेल रहा होता है। सबसे ज्यादा खतरा गरीब और ग्रामीण वर्ग को है, जो मजबूरी में इन झोलाछापों के पास जाते हैं और अपनी सेहत दांव पर लगा देते हैं।

बीएचयू के आईएमएस गोदाम में लगी आग

वाराणसी । काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के आईएमएस परिसर में शनिवार को एक गोदाम में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि तार में हुए शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। जिस स्थान पर आग लगी, उसके पास ही छात्रों की क्लास चल रही थी, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी छात्रों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। यह गोदाम प्राइवेट कंपनी अनील इंटरप्राइजेज का बताया जा रहा है, जहां अस्पताल के कायाकल्प से संबंधित सामान रखा हुआ था। जानकारी के अनुसार करीब 11 बजे गोदाम में आग लगी। बताया जा रहा है कि गोदाम के सामने कूड़े में आग लगाई गई थी, जिसकी लपटें फैलते हुए धीरे-धीरे गोदाम तक पहुंच गईं और आग ने विकराल रूप ले लिया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार गोदाम के अंदर रंग-रोगन से जुड़ा सामान रखा हुआ था, साथ ही दो से तीन सिलेंडर भी मौजूद थे, जिससे आग लगने के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई।

आबादी के बीच चल रहे पोल्ट्री फार्म पर प्रशासन की कार्रवाई

जन शिकायत पर सख्ती

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। फतेहपुर कस्बे के फैयाजपुरा मोहल्ले में आबादी और धार्मिक स्थल के पास संचालित हो रहे पोल्ट्री फार्म के खिलाफ आखिरकार प्रशासन को सख्त कदम उठाना पड़ा। लंबे समय से स्थानीय लोगों की शिकायतों और विरोध के बाद शनिवार को तहसील व नगर पंचायत प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फार्म को खाली करा दिया। बताया जाता है कि नियामत उल्ला और रहमत उल्ला द्वारा "आर एन पोल्ट्री फार्म" के नाम से मुर्गा पालन किया जा रहा था, जो घनी आबादी के बीच और संतोषी माता मंदिर के समीप स्थित था। स्थानीय निवासियों का कहना था कि फार्म से निकलने वाली गंदगी और दुर्गंध से वातावरण दूषित हो रहा था,

शिकायत के आधार पर गठित टीम जिसमें उप पशु चिकित्साधिकारी, नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी और सीएचसी अधीक्षक शामिल थे , मौके पर जांच कर पोल्ट्री फार्म को मानकों के विपरीत पाया।

जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा था। साथ ही धार्मिक स्थल के नजदीक होने के कारण श्रद्धालुओं की भावनाएं भी प्रभावित हो रही थीं। मामले को लेकर राष्ट्रीय बजरंगदल और सभासद प्रतिनिधि सौरभ वर्मा सहित अन्य लोगों ने कई बार प्रशासन से शिकायत की, लेकिन शुरुआती स्तर पर केवल नोटिस जारी कर मामले को टाल दिया गया। इसके बाद मामला उच्च स्तर तक पहुंचा और तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई।

रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि घनी आबादी में इस प्रकार का संचालन नियमों का उल्लंघन है और इसे हटाया जाना चाहिए। पुनः जांच के बाद एसडीएम फतेहपुर कार्तिकेय सिंह के निर्देश पर शनिवार को तहसीलदार वैशाली अहलावत, अधिशाषी अधिकारी संध्या मिश्रा, उप पशुचिकित्साधिकारी नितेश राय और नगर चौकी इंचार्ज अजय पाण्डेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन की मौजूदगी में संचालक को तत्काल फार्म हटाने के निर्देश दिए गए, जिस पर उन्होंने फार्म में मौजूद मुर्गों को वाहनों में भरकर स्थान खाली कर दिया। तहसीलदार वैशाली अहलावत ने बताया कि संचालक को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में आबादी क्षेत्र में इस प्रकार का व्यवसाय दोबारा न करें।

परफ्यूम डालकर बदबू मिटाता था, पैर छोड़कर पूरी बॉडी कंकाल बन चुकी थी

बेटी की लाश के साथ चार महीने रहा पिता

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में एक पिता बेटी की लाश के साथ 4 महीने तक घर में रहा। लाश बुरी तरह से सड़ चुकी थी। बेटी टीचर थी, उसके साथ रहने की जिद में पिता उससे अलग नहीं होना चाहता था। वह लाश की बदबू छिपाने के लिए उस पर परफ्यूम स्प्रे करता रहा। लड़की की पूरी बॉडी कंकाल बन चुकी थी, सिर्फ पैर ही बचा था। घटना का पता उस समय चला जब घर पर रिश्तेदार पहुंचे। बदबू आने पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर के एक कमरे से लाश बरामद की। बॉडी की हालत इतनी बदतर हो चुकी थी कि रिश्तेदार से लेकर पुलिस वाले और पड़ोसी उसे देख नहीं पा

रहे थे। मामला सदर बाजार के तेली मोहल्ले का है। मूलरूप से बंगाल के रहने वाले उदय भानु बिस्वास (76) काशी में शिक्षा विभाग में कार्यरत थे। बोर्ड ऑफिस में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात थे। 2010 में रिटायर हुए थे। सदर के तेली मोहल्ले में पतली सी गली में खुद का छोटा-सा 2 कमरों का मकान है। अपनी बेटी प्रियंका बिस्वास (35) के साथ रहते हैं। पत्नी शर्मिष्ठा (59) की 13 साल पहले मौत हो चुकी है। पड़ोस में कुछ रिश्तेदार रहते हैं, लेकिन उदय भानु किसी से न मिलते थे और न ही बेटी को मिलने देते थे। 1 दिसंबर 2025 को

5 महीने पहले मर चुकी थी प्रियंका

रिश्तेदारों ने पुलिस को बताया कि प्रियंका की मौत का पिता उदय भानु ने किसी को पता नहीं चलने दिया। बेटी के शव को घर के अंदर ही रखा। रिश्तेदार जब अंदर पहुंचे तो देखा कि युवती का शव कंकाल में बदला हुआ है। केवल पैर ही दिखाई दे रहा है।

2013 में पत्नी ने किया था सुसाइड

पूछताछ में उदय भानु की पत्नी शर्मिष्ठा की मौत की बात भी सामने आई। उदय भानु काम के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते थे। घर नहीं आ पाते थे, जिसको लेकर पत्नी शर्मिष्ठा नाराज रहती थी। उसी दौरान शर्मिष्ठा ने मेरठ के घर में फांसी लगा ली। इसके बाद प्रियंका सदमे में आ गई। वह एकदम शांत रहने लगी थी।

प्रियंका की बीमारी की वजह से मौत हो गई। अगले 5 दिन तक उदय भानु शव के साथ घर में ही रहा।

मथुरा में 13 अप्रैल को शिक्षकों का मशाल जुलूस

मथुरा। भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल को शाम 5 बजे शिक्षकों द्वारा भव्य मशाल जुलूस निकाला जाएगा। यह जुलूस शिक्षकों पर थोपे गए टीईटी के विरोध में आयोजित किया जा रहा है। जुलूस टैंक चौराहा से प्रारंभ होकर विकास मार्केट स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक पहुंचेगा। बंटी शिक्षक ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की समस्याओं को उजागर करना और जबरन लागू किए जा रहे टीईटी के खिलाफ एकजुट होकर आवाज़ बुलंद करना है। संयोजक अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ एवं समस्त घटक संगठनों ने जनपद के सभी शिक्षक साथियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस आंदोलन को सफल बनाएं।

आयोजकों का कहना है कि यह जुलूस शिक्षकों के सम्मान, अधिकार और न्याय की मांग को लेकर निकाला जा रहा है, जिसमें एकता और मजबूती का संदेश दिया जाएगा।

आवारा कुत्तों के हमले से बंदर की दर्दनाक मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। आवारा कुत्तों के आतंक ने सूरतगंज कस्बे की पुरानी गुड़ मंडी स्थित शिव मंदिर के सामने एक बंदर पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिसकी मौत हो गई इस घटना से क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बंदर सड़क पर सामान्य रूप से घूम रहा था, तभी अचानक 5-6 आवारा कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया। बंदर ने खुद को बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन कुत्तों ने उसे चारों ओर से घेरकर लगातार हमला करना शुरू कर दिया। कुत्तों ने तब तक हमला जारी रखा जब तक बंदर की मौत नहीं हो गई। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोग शोर मचाकर और कुत्तों को भगाने का प्रयास करते रहे, लेकिन तब तक

काफी देर हो चुकी थी। इस हृदयविदारक घटना को देखकर लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि कस्बे में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आए दिन इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। पहले भी कई बार राहगीरों और बच्चों पर कुत्तों के हमले की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा कुत्तों को पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर छोड़ा जाए तथा इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, जिससे ऐसी घटनाओं पर रोक लगाया जा सके।

दर्दनाक : आग की लपटों के बीच चीखती-चिल्लाती रही, पति भी बुरी तरह झुलसा

हेल्थ अफसर की पत्नी कार में जिंदा जली

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं । बदायूं में चलती कार में आग लगने से हेल्थ अफसर की पत्नी जिंदा जल गई। पति किसी तरह कार से बाहर निकल आया, लेकिन पिछली सीट पर लेटी पत्नी बाहर नहीं निकल सकी। लॉक कार में फंसी पत्नी आग की लपटों के बीच चीखती-चिल्लाती रही, लेकिन उसकी कोई मदद नहीं कर सका और वह सबकी आंखों के सामने धू-धू कर जलती रही।

हालांकि, गांववालों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक युवती की मौत हो चुकी थी। बुरी तरह झुलसे पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह घटना शुक्रवार रात करीब 1

बजे उसहैत थाना क्षेत्र के रौता गांव के पास हुई। कार कम्युनिटी हेल्थ अफसर अर्पित भारद्वाज चला रहे थे, जबकि उनकी पत्नी प्रिया (25) पिछली सीट पर लेटी हुई थी।

प्रिया का तीन दिन पहले पथरी का ऑपरेशन लखीमपुर के पलिया के एक अस्पताल में हुआ था। वहां से डिस्चार्ज होने के बाद वे लौट रहे थे, तभी रौता गांव के पास कार में आग लग गई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

कम्युनिटी हेल्थ अफसर अर्पित भारद्वाज (28) उसहैत कस्बा के रहने वाले हैं। उनकी शादी करीब ढाई साल पहले लखीमपुर-खीरी के पलिया कस्बे की प्रिया (25) से हुई थी। दोनों की डेढ़ साल की बेटी भी है। अर्पित की कादरचौक सीएचसी में

थाना प्रभारी बोले- आग लगने की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं

एसएचओ देवेंद्र सिंह ने बताया-घटना की जांच की जा रही है। कार में आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। वाहन की तकनीकी जांच कराई जाएगी, जिसके बाद ही आग लगने की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

हेल्थ अफसर की पत्नी प्रिया की मौत के बाद घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तैनाती थी। अर्पित के पिता प्रमोद भारद्वाज ने बताया- प्रिया को पेट में पथरी की प्रॉब्लम थी। लखीमपुर के पलिया में एक निजी अस्पताल में उसका तीन दिन पहले ऑपरेशन हुआ था। पूरा परिवार वहीं गया था। शनिवार को सभी प्रिया को लेकर वापस लौट रहे थे।

लखनऊ में दुबई से आ रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

154 यात्री थे, काठमांडू में मौसम खराब होने पर उतारा, डेढ़ घंटे बाद रवाना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह दुबई से काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। काठमांडू में मौसम खराब होने पर वहां लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली। उसके बाद पायलट ने लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को कॉल किया और लैंडिंग की अनुमति मांगी।

अनुमति मिलने के बाद विमान को सुबह 8:22 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। फ्लाई दुबई की फ्लाइट (एफजेड-1133) में 154 यात्री सवार थे। तकनीकी टीम ने विमान की जांच की। अब उसमें ईंधन भरा गया। करीब डेढ़ घंटे बाद सुबह 10 विमान को काठमांडू के लिए रवाना कर

दिया गया। फ्लाई दुबई के टिकट अन्य कंपनियों की अपेक्षा किफायती माने जाते हैं। 2008 में दुबई सरकार के सहयोग से यह कंपनी शुरू की गई थी। इसका मुख्यालय दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर है। फ्लाई दुबई मध्य पूर्व, एशिया, यूरोप, अफ्रीका के कई शहरों के लिए विमान सेवा चला रही है। भारत के कई शहरों से भी इसकी सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं।

लखनऊ में इससे पहले 31 मार्च को एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। फ्लाइट पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से दिल्ली जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक, फ्लाइट यूपी के अंबेडकरनगर के ऊपर थी, तभी पायलट के केबिन में धुआं महसूस हुआ। उस समय फ्लाइट 36 हजार फीट की ऊंचाई पर थी।

पायलट ने धुआं महसूस होते ही लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल को मेडे कॉल किया। मेडे कॉल के बाद यात्रियों को ऑक्सीजन मास्क उपलब्ध करा दिए गए। लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति लेकर फ्लाइट को शाम 5:17 बजे सुरक्षित लैंड कराया।

सरकारी आवास में अकेले रहते थे, रात में ड्यूटी करके लौटे थे, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची

यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर का बाथरूम में मिला शव

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर । शाहजहांपुर में क्राइम इंस्पेक्टर राजेश कुमार (45) की मौत हो गई। शनिवार सुबह 11 बजे उनका शव पुवायां थाना कैंपस में बने सरकारी आवास के बाथरूम में मिला। देर तक ऑफिस न पहुंचने पर साथियों ने उन्हें कॉल किया। फोन उठा नहीं तो पुलिसकर्मी उनके आवास पर पहुंचे। कुछ देर खटखटाया, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं आया। इसके बाद अंदर गए तो शव पड़ा हुआ था। पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में डॉक्टरों ने हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत का सही कारण पता चलेगा। क्राइम इंस्पेक्टर का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रामा सेंटर में शव रखा है। परिजनों के आने के बाद पंचनामा भरा जाएगा। ट्रामा सेंटर में शव रखा है। परिजनों के आने के बाद पंचनामा भरा जाएगा। राजेश कुमार के परिवार में पत्नी सुनीता, एक बेटा और बेटी है। बेटी सौम्या ने ग्रेजुएशन की पढ़ाई कंप्लीट कर ली है। बेटा वैभव 9वीं में पढ़ता है। राजेश के छोटे भाई सुशील कुमार 2016 में सब इंस्पेक्टर के पद पर भर्ती हुए थे।

पुलिसकर्मी पहुंचे तो दरवाजे बंद थे

सुबह 8 बजे से पुलिसकर्मियों ने फोन लगाना शुरू कर दिया था। 10 बजे जब पुलिसकर्मी पहुंचे तो दरवाजे बंद थे, लेकिन लॉक नहीं थे। पुलिस कर्मी अंदर गए तो ये अचेत अवस्था में थे।

> एसपी ग्रामीण दीक्षा अरुण भवरे ने बताया- मूलरूप से उन्नाव के रहने वाले थे। अगस्त 2025 में पुवायां थाने में क्राइम इंस्पेक्टर के पद पर आए थे। परिवार उन्नाव में ही रहता है। पुलिस ने आवास की जांच की तो कपड़े बाथरूम के बाहर रखे थे। उन्होंने शेविंग भी की थी। ऐसा लग रहा है कि वह नहाने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी है।

पुवायां थाना प्रभारी छुट्टी पर थे

पुवायां थाना प्रभारी रविकरण सिंह शुक्रवार को बीमारी की वजह से छुट्टी पर चले गए थे। इस वजह से राजेश कुमार ने चार्ज संभाला था। शुक्रवार रात 9.30 बजे तक थाने में रुके थे। करीब 10 बजे आवाज पहुंच गए। इसके बाद किसी बात नहीं हुई।

कांस्टेबल से प्रमोशन होकर इंस्पेक्टर बने

राजेश कुमार उन्नाव जिले के बाराह सगवतपुर थाना क्षेत्र के हिसथामपुर के रहने वाले थे। 18 अगस्त 1997 के आरक्षी पद पर भर्ती हुए थे। साल 2012 में प्रमोशन मिलने पर दरोगा और साल 2025 में प्रमोशन पाकर इंस्पेक्टर बने थे। पुवायां थाने से पहले उनकी तैनाती शाहजहांपुर के बंडा, रोजा, निगोही और जैतीपुर में रही है।

झांसी में महिला ने युवक को चप्पल से पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में बाइक से पति के साथ घर जा रही महिला ने एक युवक की धुनाई कर दी। युवक और उसका साथी करीब 3 लाख की बाइक पर सवार थे। आरोप है कि युवक ने महिला पर कमेंट कर दिया। इससे गुस्साई महिला ने पहले कई थप्पड़ मारे और फिर चप्पल से पीटा। महिला का गुस्सा देखते ही आरोपी युवक महिला के पैर पकड़कर माफी मांगने लगा। भीड़ जुटने पर दोनों बाइक छोड़कर मौके से भाग निकले। घटना शुक्रवार की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने बाइक जब्त कर ली है। दोनों युवकों की तलाश की जा रही है। पूरा मामला नवाबाद थाना क्षेत्र के जीवनशाह चौराहे के पास का है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मानिक चौक बाजार से एक महिला अपने पति के साथ शाम 4 बजे बाइक से घर लौट रही थी। जब वह जीवनशाह चौराहे के पास पहुंची तो

3 लाख की बाइक पर दोस्त के साथ सवार था, कमेंट करके भाग रहा था

शराब ठेके से दो युवक निकले और लगभग 3 लाख रुपए कीमत वाली बाइक से चल पड़े। तभी बाइक चला रहे युवक ने कमेंट कर दिया। यह सुनते ही महिला भड़क गई। अपनी बाइक आरोपियों की बाइक के आगे अड़ा दी। फिर नीचे उतरकर वो गाली देते हुए दोनों को धमकाने लगी। देखते ही देखते उसने युवक को कई थप्पड़ मारे और फिर चप्पल उतारकर धुनाई कर दी। बचाने आए आरोपी के साथी को भी थप्पड़ जड़े। महिला का गुस्सा देखते ही आरोपी पैर पकड़कर माफी मांगने लगा।

फास्ट न्यूज

कानपुर में हादसे में 3 युवकों की मौत

बिल्हौर। कानपुर के बिल्हौर थाना क्षेत्र के उत्तरीपुरा कस्बे में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवती समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रात करीब 12 बजे जीटी रोड पर यूनियन बैंक के पास हुआ, जब दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सभी सवार सड़क पर जा गिरे।

बीच सड़क पर बनी मजार-दरगाह पर विवाद

आगरा । कानपुर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल एमजी रोड पर कॉलेज के सामने बीच सड़क बनी मजार और दरगाह को लेकर एक बार फिर विवाद गरमा गया है। यातायात बाधित होने और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के आरोपों के बीच मामला अब अदालत तक पहुंच गया है, जिससे प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष और हिंदूवादी नेता कुंवर अजय तोमर ने अपने अधिवक्ता शिव आधार सिंह तोमर के माध्यम से दोनों मजारों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की मांग को लेकर अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में वाद दायर किया है।

धर्मांतरण गैंग को फंडिंग करने वाले विदेशी सरगना पर शिकंजा

आगरा। आगरा में दो सगी बहनों के धर्मांतरण गिरोह को फंडिंग करने वाला विदेशी सरगना नोटिस चस्पा होने के बाद भी कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ है। अब आगरा पुलिस ने उसकी संपत्ति कुर्क करने की तैयारी कर ली है। भोपाल में उसके घर पर पुलिस नोटिस चस्पा कर चुकी है। पुलिस की ओर से उसकी संपत्ति कुर्क करने की तैयारी की गई है। जांच अधिकारी ने सदर थाने में आरोपित के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का मुकदमा दर्ज कराया है।

4 साल की बच्ची से दरिंदगी एससी ने फटकार लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद में 4 साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाई है। कोर्ट ने जांच के मामले में पुलिस की लापरवाही मानी। कहा- यह सिस्टम की बड़ी नाकामी है।

शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने की। कोर्ट ने गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर को 13 अप्रैल को तलब किया है।

घटना 16 मार्च 2026 की है। 4 साल की बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी, तभी पड़ोस में रहने वाला एक युवक उसे बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर ले गया। आरोपी ने बच्ची के साथ रेप किया। इसके बाद ईंट-पत्थर से उसका सिर और चेहरा कुचलकर हत्या कर दी थी। बाद में पुलिस ने आरोपी को

पुलिस ने रेप की धारा नहीं जोड़ी, गाजियाबाद में पत्थर से कूचकर हत्या हुई थी

हाफ एनकाउंटर के बाद पकड़ लिया। पूरे मामले में सिहानीगेट पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। गाजियाबाद में रहने वाली बच्ची के पिता रंगाई-पुताई का काम करते हैं। मां तीन साल पहले परिवार को छोड़कर चली गई। बच्ची के तीन बड़े भाई-बहन भी हैं। पत्नी के जाने के बाद पिता ही सभी बच्चों की देखभाल कर रहे हैं। पिता के अनुसार, पड़ोस में रहने वाला गौरव प्रजापति (24) उनके घर आता-जाता था।

मुस्लिम बहुल 46 सीटों पर बदला समीकरण

एसआईआर से आजम की सीट पर 72 हजार वोट घटे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में शुक्रवार को जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की फाइनल लिस्ट में मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर वोटर्स की संख्या उतनी कम नहीं हुई है, जितना विपक्ष शोर मचा रहा था। इसमें कुछ ऐसी सीटें हैं, जहां 2022 के विधानसभा चुनाव में कांटे की टक्कर हुई थी।

2022 में 30% से ज्यादा मुस्लिम बहुल 46 सीटों पर आधी सपा गठबंधन और आधी भाजपा के खाते में गई थीं। इन सीटों पर 5 से 29% तक वोटर्स कम हुए हैं। इसमें आजम खान की रामपुर और भाजपा के रामवीर सिंह की कुंदरकी जैसी 60% मुस्लिम बहुल सीट भी शामिल हैं। पढ़िए ये खास रिपोर्ट

2022 के विधानसभा चुनाव में रामपुर से सपा के आजम खान विधायक चुने गए थे। तब वे 55 हजार से ज्यादा मार्जिन से जीते थे। हालांकि, आजम खान के जेल जाने से खाली हुई सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा आकाश सक्सेना 34 हजार वोट जीते थे। अब SIR के बाद यहां 72 हजार से ज्यादा वोट कम हुए हैं। कुछ ऐसा ही रामपुर जिले की स्वार सीट पर भी हुआ था। यहां से आजम खान के बेटे अब्दुला आजम 61 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे। बाद में सजा के चलते उनकी विधायकी चली गई और उपचुनाव में अपना दल के शफीक अहमद अंसारी 8,724 वोटों से जीते। अब इस सीट पर 29 हजार से ज्यादा वोट कम हुए हैं।

मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर 60% से अधिक मुस्लिम वोटर्स हैं। SIR की फाइनल लिस्ट में यहां 19,146 मतदाता घट गए। 2022 में सपा जियाउर रहमान बर्क ने 43 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की थी। उनके संभल से सांसद चुने जाने के बाद सीट खाली हो गई। उपचुनाव हुए तो भाजपा के रामवीर सिंह ने ये सीट 1.44 लाख वोटों के अंतर से जीत ।

चार मुस्लिम बहुल सीटें ऐसी भी हैं, जहां SIR के बाद कम हुए वोटर्स की तुलना में ज्यादा मार्जिन से जीत दर्ज की गई थी। इसमें कुंदरकी सीट भी है। भाजपा के रामवीर सिंह उपचुनाव में 1.44 लाख वोटों के अंतर से जीते थे। जबकि यहां सिर्फ 19,146 वोटर्स ही कम हुए हैं। इसी तरह कैरान सीट पर सपा के नाहिद हसन ने भाजपा की मृगांका सिंह को 25 हजार के अंतर से हराया था।

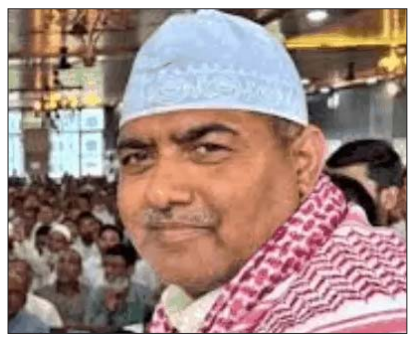

कांटे वाली सीटों पर बदल सकता है समीकरण

बिजनौर की धामपुर विधानसभा सीट पर 2022 में भाजपा विधायक अशोक राणा सिर्फ 203 वोटों से जीत पाए थे। अब उनकी सीट पर 29 हजार से ज्यादा वोट कम हो गए हैं। इसी तरह चांदपुर विधानसभा सीट से सपा के स्वामी ओमवेश भी सिर्फ 234 वोटों से जीते थे। वहां 28 हजार से ज्यादा वोट घटे हैं। बिजनौर की नहटौर विधानसभा से भाजपा के ओमकुमार ने RLD के मुंशीराम को 258 वोटों से हराया था। अब यहां 23 हजार से ज्यादा वोट घटे हैं। हालांकि, RLD इस समय भाजपा के साथ गठबंधन में है, जबकि 2022 चुनाव में सपा के साथ थी।

मुरादाबाद नगर विधानसभा सीट पर 2022 में भाजपा के रितेश गुप्ता 782 वोटों से जीते थे। अब यहां 72 हजार से ज्यादा वोट कम हुए हैं। सपा के साथ हुई कांटे की टक्कर वाली इन सीटों पर 2027 में समीकरण बदल सकता है।

सुहागरात पर दुल्हन की अजीब शर्त, मायके वालों को बुलाकर जिंदा जलाने की कोशिश की

'पहले 90 लाख दो तब घूंघट उठाने दूंगी'

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा में शादी के बाद सुहागरात पर पत्नी ने पति के सामने अजीब शर्त रख दी। उसने कहा- पहले 90 लाख रुपए दो, तब घूंघट उठाने दूंगी। नवविवाहिता की इस शर्त से परिवार वाले टेंशन में आ गए। आरोप है कि पैसे न मिलने पर दुल्हन सारे गहने लेकर मायके चली गई। दुल्हन के परिजनों ने ससुराल आकर घर में बाहर से ताला लगा दिया और पैसे न मिलने पर पीएनजी गैस की लाइन तोड़कर घर में ही जिंदा जलाने की कोशिश की। पीड़ित परिवार ने किसी तरह 112 पर सूचना देकर पुलिस को बुलाया, जिसने उन्हें बचाया।

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने FIR दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना जगदीशपुरा क्षेत्र का है। सिकंदरा निवासी डॉक्टर मुस्कान सिंह के मुताबिक, उनके भाई गौरव की शादी 29 अप्रैल 2025 को हाथरस की रहने वाली कल्पना से हुई थी। शादी के बाद जब बारी आई सुहागरात की, तो दुल्हन ने अपने पति और ससुराल वालों के सामने एक ऐसी मांग रख दी, जिसने सबको हिला कर रख दिया। दुल्हन ने संबंध बनाने से पहले 90 लाख रुपए नकद देने की शर्त रखी। इस अप्रत्याशित मांग से पूरा परिवार हैरान रह गया। आरोप है कि शादी के बाद ही कल्पना ने विवाद शुरू कर दिया और पति के साथ रहने से इनकार कर दिया। डॉक्टर मुस्कान सिंह ने बताया कि दुल्हन अपने गहनों के साथ-साथ उनकी मां के गहने भी लेकर मायके चली गई।

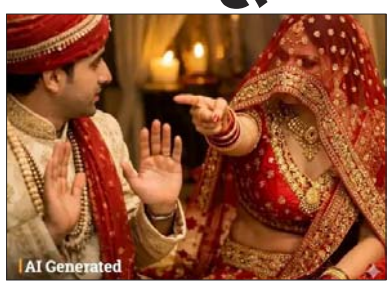

जिंदा जलाने की कोशिश की

परिवार का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने घर के पीएनजी कनेक्शन से छेड़छाड़ की, जिससे किसी बड़ी घटना को अंजाम दिया जा सके। घटना के दौरान परिवार ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ताला खुलवाकर परिवार को बाहर निकाला। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने जाते-जाते फिर जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि शादी के बिचौलिया मुन्ना मास्टर ने खुद स्वीकार किया कि यह पूरा विवाह 90 लाख रुपए वसूलने की साजिश के तहत कराया गया था।

कोर्ट में लगाई गुहार, पुलिस पर भी सवाल

पीड़िता का कहना है कि उन्होंने पहले पुलिस आयुक्त को भी शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उन्होंने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराने और जांच की मांग की है। पीड़िता का आरोप है कि बहू के घरवाले आए दिन उनके घर के आसपास घूमते रहते हैं। वो 90 लाख रुपए न देने पर जान से मरने की धमकी देते हैं, जिससे उनका परिवार दहशत में है। उन्हें अनहोनी की आशंका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही मामले की सच्चाई सामने आ पाएगी। दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

डाबर इंडिया की पहल

ग्रामीण छात्रों को पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र के पिपरी महार, रामनगर स्थित अनिका फाउंडेशन द्वारा संचालित चंद्रोदय इंटरनेशनल स्कूल में एक सराहनीय पहल के तहत विद्यार्थियों को पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य किया गया। डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को रियल जूस, ग्लुकान-डी सहित विभिन्न हेल्थ प्रोडक्ट्स के पैकेट वितरित किए गए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को संतुलित आहार और पौष्टिक पेय पदार्थों के महत्व से अवगत कराना रहा। आज के दौर में जहां बच्चे जंक फूड की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं, वहीं इस तरह की पहल उन्हें सही खानपान की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बच्चों ने खुशी-खुशी उत्पाद प्राप्त किए और उनके बारे में जानकारी भी हासिल की। शिक्षकों ने भी बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और नियमित रूप से पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी। विद्यालय के चेयरमैन अनुपम मिश्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हैं, बल्कि उनमें जागरूकता भी बढ़ाते हैं। उन्होंने डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलता है। उन्होंने आगे बताया कि विद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसमें कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने क्षेत्र के अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का नामांकन कराकर उन्हें बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाएं। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक, स्टाफ एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान अमेरिका ...

इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी।

ट्रम्प ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट में बिछाई गई समुद्री माइंस को हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने इस इलाके में माइंस बिछाई हैं, जो अब दुनिया के लिए खतरा बनी हुई हैं। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिका यह काम पूरी दुनिया के देशों के लिए कर रहा है, जिनमें चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और जर्मनी जैसे देश शामिल हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ये देश खुद यह काम करने की हिम्मत या इच्छा नहीं दिखा रहे हैं।

ईरान ने साफ कहा है कि लेबनान में सीजफायर होना बहुत जरूरी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बघई ने बताया कि यह बात पाकिस्तान को भी बता दी गई है, जो अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत करवा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब ईरान का डेलिगेशन पाकिस्तान के नेताओं से मिला, तो लेबनान में लड़ाई रोकने की बात सबसे पहले उठाई गई। ईरान चाहता है कि वहां के हमले जल्द से जल्द बंद हों। हालांकि इजराइल ने सीजफायर के बाद भी लेबनान पर हमले जारी रखे हैं। पाकिस्तान ने कहा था कि लेबनान भी सीजफायर में शामिल है, लेकिन जमीन पर ऐसा नहीं दिख रहा।

ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान इस संघर्ष में बुरी तरह हार रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि जो तस्वीर पेश की जा रही है, वह सही नहीं है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान के पास अब न तो मजबूत नौसेना है, न एयरफोर्स और न ही एयर डिफेंस सिस्टम। ईरान के पुराने नेता अब मौजूद नहीं हैं।

पाकिस्तान में मौजूद ईरान के राजदूत रेजा अमीरी मोघदाम ने अमेरिका की नीयत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में हो रही बातचीत का मकसद ईरान के खिलाफ चल रही गैरकानूनी जंग खत्म करना है।

उन्होंने कहा कि यह युद्ध सिर्फ ईरान के खिलाफ अपराध नहीं है, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र और दुनिया की सुरक्षा के लिए खतरा है। साथ ही उन्होंने सवाल किया कि क्या अमेरिका, पाकिस्तान की मध्यस्थता का सम्मान करेगा या नहीं, यह अभी देखना बाकी है।

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में चल रही शांति वार्ता में अब चीन भी शामिल हुआ है। खबर है कि चीन का एक प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच रहा है, जो पाकिस्तान की मध्यस्थता में मदद करेगा।

माना जा रहा है कि अगर दोनों देशों के बीच कोई समझौता होता है, तो चीन उसमें गारंटी देने की भूमिका भी निभा सकता है।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत शुरू हो गई है। ईरान के सरकारी टीवी चैनल IRIB ने इसकी जानकारी दी है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि दोनों देशों के बीच सीधे बातचीत हो रही है या किसी तीसरे देश के जरिए।

47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद पहली बार है जब दोनों देश इतने बड़े स्तर पर आमने-सामने बातचीत कर रहे हैं। अमेरिका का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जबकि ईरान का नेतृत्व संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं।

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और उनके डेलिगेशन ने इस्लामाबाद में शहबाज शरीफ से मुलाकात की। यह मुलाकात अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली अहम बातचीत से पहले हुई, जिसमें युद्ध खत्म करने को लेकर चर्चा होनी है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि इस समय कई बड़े-बड़े खाली तेल टैंकर अमेरिका की तरफ आ रहे हैं। ये टैंकर यहां पहुंचकर तेल और गैस भरेंगे।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दुनिया के कुछ सबसे बड़े टैंकर पूरी तरह खाली हैं और अमेरिका आ रहे हैं ताकि यहां से तेल लिया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के पास बहुत ज्यादा और अच्छी क्वालिटी का तेल मौजूद है। अमेरिका के पास दूसरे बड़े तेल उत्पादक देशों से भी ज्यादा तेल है।

ईरान-यूएस ...

यह मीटिंग कल भी जारी रह सकती है।

प्लेन में बच्चों की ...

इस हमले का आरोप अमेरिका और इजराइल पर लगाया गया था। अमेरिका ने कहा कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं।

वृंदावन हादसे में ...

हादसे के 6 घंटे बाद यानी शुक्रवार रात 9 बजे उसे हिरासत में लिया गया था। उसी ने अपनी नाव में श्रद्धालुओं को जुगल घाट से बैठाया था। हादसे के बाद वह फरार हो गया था। बाकी लापता अब तक क्यों नहीं मिल पाए? इस सवाल पर रेस्क्यू में जुटे अफसर ने बताया कि यमुना का बहाव तेज है, इसलिए लोग बहकर दूर जा सकते हैं। नदी में गाद (कीचड़) और रेत में शव दबे हो सकते हैं। 24 घंटे बाद शव फूलकर ऊपर आ सकते हैं।

हादसा शुक्रवार दोपहर 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जहां 38 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई थी। घाट बांके बिहारी मंदिर से करीब 2 किमी दूर है। मृतकों में मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा समेत एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं। जिस जगह हादसा हुआ, वहां 25 फीट गहरा पानी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि नाव की क्षमता 40 श्रद्धालुओं की थी। किसी भी श्रद्धालु को नाविक ने लाइफ जैकेट नहीं दी थी। पांटून पुल की रिपेयरिंग कर रहे लोगों और अन्य नाविकों ने कुछ लोगों को बचाया। बाद में प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू शुरू किया।

वहीं, हादसे से जुड़े 2 वीडियो सामने आए हैं। पहला- नाव डूबने से 15 मिनट पहले का है। इसमें लोग राधे-राधे का जप कर रहे हैं। दूसरा- श्रद्धालुओं के नदी में डूबने का है।

हादसे में जिंदा बचे युवक ने बताया- नाव तट से करीब 50 फीट दूर यमुना नदी के बीच में थी। उस वक्त हवा करीब 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। तेज हवा के कारण नाव अचानक डगमगाने लगी। नाविक का नियंत्रण छूट गया। पर्यटकों ने नाविक से कहा कि पुल आने वाला है, नाव रोक लीजिए, लेकिन उसने नहीं सुनी। दो बार नाव पीपा पुल से टकराने से बची, लेकिन तीसरी बार टक्कर हो गई और नाव डूब गई।

गुरुवार (9 अप्रैल) को लुधियाना के जगराओं स्थित श्री बांके बिहारी क्लब की ओर से 2 बसों में 130 श्रद्धालुओं को ले जाया गया था। इनमें से 90 श्रद्धालु जगराओं से थे और बाकी अन्य शहरों से। यह वृंदावन की 4 दिन की यात्रा थी।

मृतकों में मधुर बहल, उनकी मां कविता बहल, चाचा चरणजीत, चाची पिंकी बहल, बुआ आशा रानी, दूसरी बुआ अंजू गुलाटी और फूफा राकेश गुलाटी शामिल हैं।

मोदी-राहुल संसद ..

इसके अलावा राजघाट (महात्मा गांधी के समाधि स्थल) और शक्ति स्थल पर भी कई बार दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का अभिवादन किया है।

जहांगीरगंज में...

घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश पश्चिम दिशा की ओर फरार हो गए।

वारदात बिडहर घाट स्थित पुलिस चौकी के पास हुई, जिससे पुलिस गश्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दिनदहाड़े हुई इस घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी।

यूपी के एक और गांव ...

पाकिस्तान की वजह से हिंदुआ पर बहुत अत्याचार हुआ है।

शनिवार को लखीमपुर खीरी पहुंचे सीएम योगी ने 213 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने बांग्लादेश से विस्थापित विभिन्न हिंदू परिवारों को संक्रमणीय एवं असंक्रमणीय भूमिधरी अधिकार पत्र वितरित करते हुए कहा कि यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि न्याय का वह क्षण है, जिसने इतिहास की अधूरी तमन्ना को पूरा किया है।

लिखा- वेलडन, बिश्नोई की बॉल पर कोहली बोल्ड, आरसीबी ने 37वीं बार 200प्लस स्कोर बनाया

विराट ने दिया वैभव सूर्यवंशी को ऑटोग्राफ

मुकाबला

गुवाहाटी, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स ने IPL में लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम ने शुक्रवार को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स देखने को मिले।

वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और सिक्स लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। वहीं, मैच खत्म होने के बाद विराट कोहली ने वैभव की राजस्थान रॉयल्स कैप पर ऑटोग्राफ दिया।

दूसरी ओर, विराट कोहली अच्छी शुरुआत के बाद रवि बिश्नोई की गेंद पर बोल्ड हो गए। रिकॉर्ड्स की बात करें तो RCB ने IPL में 37वीं बार 200 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया और चेन्नई सुपर किंग्स की बराबरी कर ली। RCB ने IPL में 37वीं बार 200+ का स्कोर बनाकर CSK की बराबरी कर ली है। अब दोनों टीमें इस लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर PBKS (33) है, जबकि MI (32) चौथे और KKR (30) पांचवें स्थान पर हैं। RCB ने 200+ स्कोर बनाने के बाद 7वीं बार मैच गंवाया, जिससे वह PBKS के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गई है। CSK 6 हार के साथ तीसरे नंबर पर है, जबकि KKR (5) चौथे स्थान पर है।

राजस्थान रॉयल्स ने कोहली के ऑटोग्राफ वाली कैप सोशल मीडिया पर पोस्ट की है।

संदीप शर्मा ने 140 मैच में 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह इस लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। सबसे तेज 150 विकेट का रिकॉर्ड लसिथ मलिंगा (105 मैच) के नाम है, जबकि दूसरे नंबर पर हर्षल पटेल (117) और तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह (124) हैं।

रजत पाटीदार ने 95 पारियों में 3000 टी20 रन पूरे कर लिए हैं। वह इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। सबसे तेज 3000 रन का रिकॉर्ड तिलक वर्मा (90 पारियां) के नाम है, जबकि दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ (91) और तीसरे नंबर पर केएल राहुल (93) हैं।

आर्चर को पहली बॉल पर विकेट, सॉल्ट आउट

जोफ्रा आर्चर ने मैच की पहली बॉल पर विकेट हासिल किया। उन्होंने फिल सॉल्ट को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। सॉल्ट आर्चर की उछाल लेती लेंथ बॉल को संभाल नहीं सके और बॉल बल्ले के ऊपरी हिस्से में लगकर ऊपर चली गई। जिसे विकेटकीपर जुरेल ने आसानी से कैच किया।

बिश्नोई ने कोहली को क्लीन बोल्ड कर दिया

बेंगलुरु की पारी के पावरप्ले की 5वीं बॉल पर रवि बिश्नोई ने विराट कोहली को क्लीन बोल्ड कर दिया। उन्होंने गुगली बॉल पर डाली, जिसे कोहली समझ नहीं पाए और बॉल ने स्टंप्स बिखेर दिए। यहां विराट कोहली 32 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले 5वें ओवर में विराट कोहली ने संदीप शर्मा की बॉल पर खूबसूरत कवर ड्राइव लगाकर चौका मारा।

आईपीएल में राजस्थान की लगातार चौथी जीत

वैभव ने 26 बॉल पर 78 रन बनाए, 7 छक्के लगाए जुरेल ने भी फिफ्टी लगाई

गुवाहाटी, एजेंसी

15 साल के वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी के सहारे राजस्थान रॉयल्स ने IPL में लगातार चौथी जीत हासिल की है। टीम ने शुक्रवार को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स को 6 विकेट से हराया।

गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बेंगलुरु ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन बनाए। राजस्थान ने 202 रन का टारगेट 18 ओवर में 4 विकेट पर चेज कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने 26 बॉल पर 78 रन की आतिशी पारी खेली। उनकी पारी में 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। विकेटकीपर ध्रुव जुरेल नाबाद 81 रन बनाकर लौटे।

राजस्थान ने 21 रन पर यशस्वी जायसवाल का विकेट गंवा दिया था। ऐसे में वैभव सूर्यवंशी ने ध्रुव जुरेल के साथ शतकीय साझेदारी करके मैच एकतरफा कर दिया। दोनों ने 34 बॉल पर शतकीय साझेदारी पूरी कर ली थी। हालांकि, इस जोड़ी ने 37 बॉल पर 108 रन जोड़े।

RCB के कप्तान रजत पाटीदार ने 40 बॉल पर 63 रन बनाए। उनकी पारी में 4 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनसे पहले विराट कोहली ने 16 बॉल पर 32 रन बनाए। जोफा आर्चर, रवि बिश्नोई और बृजेश शर्मा को 2-2 विकेट मिले। राजस्थान मौजूदा सीजन के पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम के पास 4 जीत से 8 अंक हैं। वहीं, बेंगलुरु की टीम यह मैच हारने के बाद तीसरे स्थान पर है। उसके पास 4 अंक हैं।

पंजाब ने जीता टॉस, पहले गेंदबाजी करने का किया फैसला

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला मुल्लांपुर में खेला जाना है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब की टीम जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। तो वहीं ईशान किशन की अगुवाई में हैदराबाद की टीम जीत हासिल करना चाहेगी। पंजाब की टीम ने अब तक 3 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से उन्होंने 2 में जीत हासिल की है, जबकि एक मैच बारिश की वजह से रद हो गया था। हैदराबाद की बात करें, तो उन्होंने अब तक 3 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान एसआरएच को एक मैच में जीत मिली है, जबकि दो मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में वे दूसरी जीत की तलाश में हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला मुल्लांपुर में खेला जा रहा है।

डेरिल मिचेल ने की उस्मान तारिक की बेइज्जती, तिलमिला गया पाकिस्तानी गेंदबाज

पीएसएल में मचा बवाल

चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

हाल के समय में अपने अजीब गेंदबाजी एक्शन से चर्चा का केंद्र बने पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक की बीच मैदान पर डेरिल मिचेल ने फजीहत कर दी। मिचेल ने जो किया वो तारिक को पसंद नहीं आया और उनके चेहर पर गुस्सा साफ देखा जा सकता था। ये मामला शुक्रवार को क्वेटा ग्लैटिएडर्स और रावलपिंडीज के बीच खेले गए मैच का था।

ये मामला रावलपिंडी की पारी के नौवें ओवर का है। मिचेल बल्लेबाजी कर रहे थे और उनकी टीम का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 55 रन था। इसी ओवर में तारिक गेंदबाजी करने आए। ओवर की तीसरी गेंद थी और तारिक अपने एक्शन में जिस तरह रुकते हैं रुके। तभी मिचेल पीछे हट गए। तारिक फिर चुपचाप अपने गेंदबाजी मार्क पर चले गए। इसके बाद वह फिर गेंदबाजी करने आए। फिर मिचेल रुक गए। उन्होंने रावलपिंडी के खिलाड़ियों से कुछ कहा। तभी अंपायर उनसे बात करने आए। मिचेल ने उनसे अपनी बात रखी।

हालांकि, अंपायर ने उन्हें समझाया कि ये तारिक का एक्शन है और इसी तरह से वह गेंदबाजी करते हैं इसलिए मिचेल को तारिक की गेंदों को खेलना ही होगा।

मिचेल इस लीग में रावलपिंडी के लिए खेल रहे हैं तो वहीं तारिक क्वेटा टीम का हिस्सा है। ये मामला इतना बढ़ा कि मैदानी अंपायर को बीच में आना पड़ा। हालांकि, मिचेल अंपायर से भी उखड़ गए। उन्होंने पूरी हिम्मत के साथ अंपायर के सामने अपनी बात रखी।

ऐसा रहा मैच

क्वेटा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट खोकर 182 रन बनाए। उसके लिए राइली रुसो ने 42 गेंदों पर 53 रनों की पारी खेली जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। हसन नवाज ने 16 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली। सऊद शकील ने 39 गेंदों का सामना कर 42 रन बनाए। इस स्कोर के सामने रावलपिंडी की टीम 17.3 ओवरों में 121 रनों पर ही ढेर हो गई। मिचेल ने 32 गेंदों पर 30 रन बनाए। मसूद 31 रन बनाकर टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे।

मनोरंजन

भीमा खूंटी एक अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेटर हैं और गुजरात व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के कप्तान हैं

व्हीलचेयर क्रिकेटर भीमा खूंटी से मिले सलमान और रणवीर

भीमा खूंटी ने अपने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो पोस्ट किया है, उसमें देखा जा सकता है कि सलमान जामनगर से निकलते समय कड़ी सुरक्षा के बीच भीमा खूंटी से मिलने के लिए रुके। उन्होंने भीमा खूंटी की टी-शर्ट पर ऑटोग्राफ दिया और कुछ समय बातचीत भी की।

नई दिल्ली, एजेंसी

जामनगर में अनंत अंबानी के 31वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने के बाद एक्टर सलमान खान ने इंटरनेशनल व्हीलचेयर क्रिकेटर भीमा खूंटी से मुलाकात की और उनकी टी-शर्ट पर ऑटोग्राफ दिया।

बता दें कि भीमा खूंटी एक अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेटर हैं और गुजरात व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के कप्तान हैं। वह पोरबंदर, गुजरात के रहने वाले हैं और एक मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में भी पहचान रखते हैं। सलमान से मिलने के बाद भीमा ने लिखा कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती, वे सिर्फ हिम्मत देखते हैं। क्रिकेट के मैदान से लेकर सलमान खान से मुलाकात तक का सफर उनके लिए गर्व का पल रहा।

वहीं, रणवीर सिंह भी जामनगर एयरपोर्ट पर भीमा खूंटी से मिले। वीडियो में रणवीर उनके सामने घुटनों पर बैठकर बातचीत करते, ऑटोग्राफ देते और हाथ मिलाते नजर आए। रणवीर सिंह से मुलाकात को लेकर भीमा ने इमोशनल पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि जिंदगी में कुछ पल ऐसे होते हैं जो कभी नहीं भूलते और आज का दिन उन्हीं में से एक था। भीमा ने रणवीर सिंह की सादगी, विनम्रता और सम्मान की भावना की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सुपरस्टार होना अलग बात है, लेकिन एक अच्छा इंसान होना ही असली स्टार बनाता है।

डकैत को बॉक्स ऑफिस पर मिली सॉलिड ओपनिंग

बॉक्स ऑफिस पर 'डकैत' की धांसू एंट्री

नई दिल्ली। 19 मार्च को सिनेमाघरों में आई 'धुरंधरः द रिवेंज' ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर एकतरफा राज किया है। हालांकि, अब रणवीर सिंह की इस फिल्म को टक्कर देने के लिए अनुराग कश्यप, मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष स्टारर फिल्म 'डकैत' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। 10 अप्रैल 2026 को रिलीज हुई 'डकैत' को हिंदी के साथ-साथ साउथ की भाषाओं में भी रिलीज किया गया है। फिल्म को पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर एक बेहतरीन ओपनिंग मिली है। यह फिल्म आगे चलकर 'धुरंधर 2' के लिए कैसे खतरा बन सकती है? 70 करोड़ रुपये के बजट में बनी 'डकैत' ने ओवरसीज मार्केट में पहले ही दिन 6 करोड़ रुपये से खाता खोला है। इस तरह पहले दिन फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 13.57 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया है। मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैत' भले ही 'धुरंधर 2' का हिंदी बेल्ट में ज्यादा कुछ न बिगाड़ पाए, लेकिन जिस तरह की ओपनिंग इसे तेलुगु मार्केट और वर्ल्डवाइड लेवल पर मिली है, उससे वीकेंड पर इसकी रफ्तार बढ़ने की पूरी उम्मीद है। अब तक बाहरी देशों में दर्शकों के पास सिर्फ 'धुरंधर 2' का ही विकल्प था, लेकिन अब 'डकैत' के रूप में एक नया ऑप्शन आ गया है। यह रणवीर सिंह की फिल्म के ओवरसीज कलेक्शन पर सीधा असर डाल सकता है और हर दिन वर्ल्डवाइड 12-15 करोड़ कमाने वाली 'धुरंधर 2' की कमाई में गिरावट का कारण बन सकता है।

डकैत ने पहले शुक्रवार को की इतने करोड़ की कमाई

सैकनिल्क डॉट कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष की फिल्म 'डकैत' को देशभर में कुल 3,800 शोज मिले थे। शुक्रवार को रिलीज हुई इस मूवी ने भारत में पहले दिन 6.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 7.57 करोड़ रुपये रहा। मूवी ने हिंदी बेल्ट में भले ही महज 90 लाख रुपये कमाए हैं, लेकिन तेलुगु भाषा में फिल्म को अच्छी खासी ओपनिंग मिली है। पहले ही दिन तेलुगु में इसने 5.60 करोड़ रुपये कमाए हैं।

धुरंधर 2 से नुसरत फतेह अली खान का गाना हुआ रिलीज

यूट्यूब पर 1 घंटे में छा गया 3 मिनट का गीत

नई दिल्ली। धुरंधर 2 नए और पुराने गानों के हिट ट्रैक के साथ काफी चर्चा में रहा। आदित्य धर ने धुरंधर की तरह ही धुरंधर 2 में भी ऐसे-ऐसे गाने शामिल किए जो सुनने वालों के दिलों में उतर गए।

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2 में बहुत लंबे गानों को शामिल नहीं किया गया था और ना ही फिल्म के रिलीज के तुरंत बाद उन्हें रिलीज किया गया। फिल्म के गाने एक-एक करके जारी किए जा रहे हैं। अब फिल्म का एक और बड़ा गाना आउट कर दिया गया है जो YouTube पर छा गया है।

दिलचस्प बात यह है कि इस गाने के बोल दिग्गज गीतकार और गायक नुसरत फतेह अली खान (Nusrat Fateh Ali Khan) ने लिखे हैं। एक घंटे के अंदर गाने को हजारों व्यूज मिल गए हैं। जिस गाने की हम बात कर रहे हैं, वो फिल्म में एक अलग तड़का लगाने का काम करता है। यह गाना है 'जान से गुजरते हैं'। यह गाना धुरंधर 2 की कहानी में एक नया मोड़ लेकर आता है। इस गाने को चंद मिनट के लिए फिल्म के शुरुआत में सुना गया था। अब 24 दिन बाद टी-सीरीज ने गाने का फुल वीडियो रिलीज कर दिया है।

इस गाने के बोल नुसरत फतेह अली खान ने लिखा है, जबकि म्यूजिक शाश्वत सचदेव का है। शाश्वत ने ही खान साब के साथ मिलकर गाने को आवाज भी दी है। 3 मिनट 2 सेकंड के 'जान से गुजरते हैं' गाने को रिलीज हुए एक घंटे ही हुए हैं और व्यूज एक लाख पहुंचने के करीब है।

डेलनाज ईरानी ने तलाक के बाद नहीं ली थी एलिमनी

नई दिल्ली। एक्ट्रेस डेलनाज ईरानी ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में पूर्व पति राजीव पॉल से तलाक (2012) के बाद एलिमनी न लेने की बात कही। उन्होंने बताया कि शादी 1998 में हुई थी, 2010 में सेपेरेशन हुआ और उन्होंने लीगल बैटल से ज्यादा मेंटल पीस को प्रायोरिटी दी।

डेलनाज ईरानी ने हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके लिए तलाक आसान फैसला नहीं था, क्योंकि वह एक पारसी मिडिल क्लास परिवार से आती हैं, जहां तलाक आम बात नहीं रही। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में लंबे समय तक रिश्ते निभाए गए हैं, इसलिए यह इमोशनली उनके लिए मुश्किल समय था।

2010 में सेपेरेशन की खबर आई, लेकिन उनके रिश्ते में दरार काफी पहले आ चुकी थी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने माता-पिता से शादी में चल रही समस्याओं को छुपाकर रखा था। उनके पिता को 2010 में हार्ट अटैक आया था और 2011 में उनका निधन हो गया।

विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' ऑनलाइन हुई लीक

फिल्म की एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने लीक पर नाराजगी जताई

नई दिल्ली। साउथ के सुपरस्टार विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन की रिलीज टलने के चार महीने बाद फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई है। विजय की आखिरी फिल्म का यूं अचानक लीक होना मेकर्स और फिल्म की टीम के लिए झटका है, वो भी रिलीज से पहले। हाल ही में फिल्म की एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने फिल्म के लीक होने पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर जन नायकन के लीक होने पर अपना गुस्सा निकाला है। उन्होंने कहा कि विजय की आखिरी फिल्म का यूं लीक होना सही नहीं है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर पूजा ने लिखा, रमेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, रचनात्मक जोखिमों, निजी कुर्बानियों और एक ऐसी टीम का नतीजा होती है, जो हर दिन इस उम्मीद के साथ काम पर आती है कि वह आपको सबसे बेहतरीन अनुभव दे सके। पूजा हेगड़े ने कहा, रइसके अलावा क्या हम सभी इस बात के हकदार नहीं हैं कि हम सब एक साथ मिलकर विजय सर की आखिरी फिल्म को, आखिरी बार बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएं?

बॉक्स ऑफिस आंकड़े पर पड़ेगा असर

पूजा हेगड़े ने आगे कहा, हमारी फिल्म का ऑनलाइन लीक होना बहुत ही निराशाजनक है, न सिर्फ मेरे लिए बल्कि उस हर एक इंसान के लिए जिसने इस पर काम किया है। इसे लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है। यह मुश्किल इसलिए नहीं है कि इससे फिल्म के आंकड़ों पर असर पड़ेगा, बल्कि इसलिए है कि यह उस सम्मान को छीन लेता है जिसके हर कलाकार और टेक्नीशियन हकदार हैं।

ट्रम्प बोले- डील नहीं हुई तो फिर हमला करेंगे ■ ईरानी डेलिगेशन इस्लामाबाद पहुंचा

लेबनान में सीजफायर से पहले अमेरिका से बातचीत नहीं : ईरान

बैठक

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित बातचीत को लेकर सख्त शर्त रख दी है। संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा है कि जब तक लेबनान में सीजफायर लागू नहीं होता तब तक बातचीत शुरू नहीं होगी। उन्होंने ईरान के फ्रीज किए गए फंड जारी करने की मांग की। गालिबाफ ने साफ किया कि ये दोनों मुद्दे वार्ता से पहले हल होना जरूरी हैं। इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बैठक होने वाली है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्लियामेंट्री स्पीकर

गालिबफ की लीडरशिप में ईरानी डेलीगेशन US अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए इस्लामाबाद पहुंच गया है। वहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस बातचीत के लिए पाकिस्तान रवाना हो गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह ईमानदारी से बातचीत करेगा तो अमेरिका तैयार है, लेकिन 'खेल' करने की कोशिश पर सख्त जवाब दिया जाएगा। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर डील नहीं होती, तो अमेरिका फिर हमला करेगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी युद्धपोतों को सबसे बेहतरीन हथियारों से

ईयू ने इजराइल की नई बस्तियों की योजना की कड़ी निंदा की

यूरोपीय संघ ने इजराइल की वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में 30 नई बस्तियां बसाने की योजना की कड़ी निंदा की है। EU ने कहा कि कब्जे वाले क्षेत्रों में बस्तियां बनाना अंतर-राष्ट्रीय कानून के तहत अवैध है। उसने यह भी याद दिलाया कि पिछले साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) ने भी इसे अवैध माना था। संगठन ने इजराइली सरकार से इन फैसलों को वापस लेने, अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने और कब्जे वाले क्षेत्रों में फिलिस्तीनी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

लैस किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर इनका इस्तेमाल किया जाएगा। बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम- अमेरिका ईरान की लंबी दूरी की मिसाइलों पर रोक लगाना चाहता है।

अमेरिका-ईरान के बीच इन मुद्दों पर बातचीत होनी है

ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम- अमेरिका का कहना है कि ईरान में कोई संवर्धन नहीं होगा। ईरान को अपना सारा हाई-लीवल इनरिच्ड यूरेनियम बाहर करना होगा और न्यूक्लियर फैसिलिटीज बंद या सीमित करनी होंगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज- दुनिया का बहुत सारा तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। ईरान अभी भी इसका नियंत्रण रखना चाहता है और टोल (फीस) लेने की बात कर रहा है। वहीं, अमेरिका चाहता है कि रास्ता पूरी तरह खुला और सुरक्षित हो, बिना किसी रुकावट या फीस के।

ईरानी डेलिगेशन में शामिल स्पीकर ने कहा- अमेरिका पर भरोसा नहीं

ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा है कि उनका देश बातचीत और समझौते के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को ईमानदारी से समझौते की पेशकश करनी होगी और ईरान के अधिकारों को स्वीकार करना होगा। उन्होंने साफ कहा कि ईरान के पास सद्भावना है, लेकिन अमेरिका पर भरोसा नहीं।

शांति के बोल बनाम धमकी का खेल

समझौतों पर रजामंदी से पहले जुबानी जंग

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच शनिवार को इस्लामाबाद में शांति वार्ता होनी है। संभावना जताई जा रही है कि इस अमेरिका-ईरान के बीच इस शांति वार्ता से पश्चिम एशिया संकट का हल निकल सकता है। हालांकि, इसकी उम्मीदें कम ही हैं। ऐसा कहने की सबसे बड़ी वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया बयान। वहीं, ईरान भी अमेरिका के आगे झुकने को तैयार नहीं है। पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि अगर इस्लामाबाद में शांति वार्ता विफल होती है, तो अमेरिका ईरान पर अपने सबसे बेहतरीन हथियारों का इस्तेमाल करके एक बड़ा सैन्य हमला करने के लिए तैयार है। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ कर रहे हैं, जो विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ आधी रात के बाद इस्लामाबाद पहुंचे। वहीं, अमेरिकी टीम का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जिनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हैं। इसके साथ अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड के अधिकारी ब्रैड कूपर भी वहां पहुंचे हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इन वार्ताओं को 'मेक ऑर ब्रेक' (बनेगा या टूटेगा) करार दिया है।

फास्ट न्यूज

भारत-अमेरिका वायुसेना प्रमुखों की अहम बैठक

वॉशिंगटन । भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग, प्रशिक्षण और सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा हुई। अमेरिकी वायुसेना प्रमुख केनेथ विल्सबैक ने भारतीय वायुसेना प्रमुखअमर प्रीत सिंह की मेजबानी की।

होर्मुज बंद करने के लिए बिछाया था बारूदी सुरंगों का जाल

वॉशिंगटन । ईरान ने होर्मुज को बंद करने के लिए बड़ी संख्या में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। हालांकि, अब होर्मुज को खोलने के लिए तेहरान इनका पता लगाने में नाकाम हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास उन्हें हटाने की क्षमता भी नहीं है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के लिए यह स्थिति एक बड़ी बाधा साबित हो रही है। दरअसल, अमेरिका ने मांग की थी कि होर्मुज जलडमरूमध्य को आवागमन के लिए पूरी तरह से खोल दिया जाए।

भारतीय घरों में दुनिया के टॉप-10 बैंकों से ज्यादा सोना

नई दिल्ली। भारतीय घरों और मंदिरों में 50,000 टन सोना रखा है, जिसकी वैल्यू करीब 10 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग 830 लाख करोड़ है। भारतीय व्यापारियों के संगठन एसोचैम (द एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुनिया के सबसे बड़े 10 सेंट्रल बैंकों के कुल भंडार से भी ज्यादा है।

'बातचीत के लिए ही जिंदा छोड़ रखा है'

पाकिस्तान में वार्ता के बीच ट्रंप ने ईरान को फिर दी धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शनिवार (स्थानीय समय) को कहा कि वॉशिंगटन, ईरान को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने की इजाजत नहीं देगा।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के रवाना होने से पहले ट्रंप ने इस क्षेत्र में किसी भी तरह के ट्रांजिट शुल्क की अनुमति देने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ₹नहीं, हम इसकी इजाजत नहीं देंगे। यह अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र है। अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो हम ऐसा होने नहीं देंगे। ट्रंप की ये टिप्पणी तब आई है जब उन्होंने तेहरान की उस कथित प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की, जिसमें होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर पारगमन शुल्क लगाने की बात कही गई थी। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने ईरान की इस कोशिश की आलोचना की कि वह अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों का इस्तेमाल अपनी सौदेबाजी के लिए करना चाहता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने खुद को केवल इसलिए संयमित रखा है, ताकि बातचीत के लिए गुंजाइश बनी रहे। पोस्ट में यह लिखा था, ₹ऐसा लगता है कि ईरानियों को यह एहसास ही नहीं है कि उनके पास अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों का इस्तेमाल करके दुनिया से थोड़े समय के लिए जबरदस्ती वसूली करने के अलावा कोई और दांव नहीं बचा है। आज वे जिस एकमात्र वजह से जिंदा हैं, वह है बातचीत करना।

इस स्कीम में एक मुश्त पैसा लगाकर आप अपने लिए रिटायमेंट के बाद भी रेगुलर इनकम का इंतजाम कर सकते हैं

सीनियर सिटीजंस स्कीम से हर महीने 20,500 तक की कमाई

नई दुनिया, एजेंसी

सरकार ने अप्रैल-जून के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी आपको पहले जितना ही ब्याज मिलता रहेगा। अगर आप सीनियर सिटीजन हैं और अपने लिए हर महीने इनकम का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम अकाउंट आपके लिए सही रहेगा।

इस स्कीम में एक मुश्त पैसा लगाकर आप अपने लिए रिटायमेंट के बाद भी रेगुलर इनकम का इंतजाम कर सकते हैं। इस पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है। इस स्कीम में हर 3 महीने में ब्याज दिया जाता है। यानी 3 महीने में अधिकतम 61,500 रुपए तक का ब्याज आप हासिल कर सकते हैं, जो मंथली बेसिस पर 20,500 रुपए होगा। इस योजना में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत आप अपनी कुल आय से 1.5 लाख रुपए की कटौती का दावा कर सकते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें, आप सेक्शन 80C के माध्यम से अपनी कुल कर योग्य आय से 1.5 लाख तक कम कर सकते हैं। अगर आप इस योजना में आप 30 लाख रुपए निवेश करते हैं और हर 3 महीने में ब्याज नहीं निकालते हैं तो 5 साल बाद ये 42 लाख रुपए हो जाएंगे। 60 साल या उससे अधिक उम्र के जो 55 वर्ष से अधिक लेकिन 60 वर्ष से कम है वो भी इस अकाउंट को खोल सकता है।

ब्याज तिमाही आधार पर मिलता है। जो 1 अप्रैल, 1 जुलाई, 1 अक्टूबर और 1 जनवरी को आपके अकाउंट में आ जाएगा। ब्याज की रकम उसी डाकघर में स्थित आपके बचत खाते में आ जाएगी। यदि खाताधारक ब्याज की रकम नहीं निकालता है, तो ऐसे ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज यानी कम्पाउंड इंटरेस्ट नहीं मिलेगा।

अधिकतम 30 लाख रुपए कर सकते हैं निवेश

पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम में सिर्फ 1000 रुपए में अकाउंट खोला जा सकता है। इस स्कीम में ज्यादा से ज्यादा 30 लाख रुपए तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है। अगर आप इसमें 30 लाख रुपए तक निवेश करते हैं तो आपको 8.2% के हिसाब से सालाना 2,46,000 रुपए ब्याज मिलेगा। चूंकि इस योजना के तहत ब्याज तिमाही आधार पर मिलता है, तो अगर हम इसे 3-3 महीनों में बांटे तो ये 61,500 रुपए होगा। यानी हर 3 महीने में आपके अकाउंट में 61,500 रुपए आ जाएंगे।

5 साल का रहता है मैच्योरिटी पीरियड

इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का रहता है। यानी इस स्कीम में आपको 5 साल के लिए निवेश करना होता। हालांकि आप 5 साल से पहले भी अकाउंट बंद कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करने पर आपको पेनल्टी देनी होती है। इसके अलावा आप 3-3 साल के लिए अकाउंट को जब तक चाहे आगे बढ़ा सकते हैं। अगर आप ऐसा नहीं करना चाहें तो आपके 30 लाख आपस ले सकते हैं।

किशन-राहुल एडिशनल डायरेक्टर नियुक्त, अल्वेस पिंटो नॉमिनी डायरेक्टर बने

स्विगी के को-फाउंडर लक्ष्मी रेड्डी ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

फूड और ग्रोसरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के को-फाउंडर लक्ष्मी नंदन रेड्डी ओबुल ने कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। स्विगी ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। ओबुल कंपनी में होल-टाइम डायरेक्टर और हेड ऑफ इनोवेशन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनका इस्तीफा आज (10 अप्रैल) से प्रभावी होगा।

कंपनी ने बताया कि ओबुल अब अपने दूसरे प्रोफेशनल हितों पर ध्यान देना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने यह फैसला लिया है। ओबुल के जाने के साथ ही स्विगी के बोर्ड में कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों और नियमों में बदलाव को भी मंजूरी दी गई है।

फणी और राहुल की नियुक्ति पर मजेटी ने कहा, 'ये दोनों स्विगी के शुरुआती दिनों से हमारे साथ हैं। कंपनी के सबसे कठिन और महत्वपूर्ण समय में इन्होंने बिजनेस को संभाला है। जैसे-जैसे हम ग्रोथ के अगले फेज में जा रहे हैं, उनकी समझ और अनुभव हमारे लॉन्ग-टर्म टारगेट को हासिल करने में मददगार साबित होंगे।' स्विगी ने फाइलिंग में बताया कि बोर्ड ने आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (AoA) में बदलाव को मंजूरी दी है। इसके तहत एक्सेल और सॉफ्टबैंक के नॉमिनेशन राइट्स (निदेशक नामित करने के अधिकार) से संबंधित नियमों को हटा दिया गया है। वहीं नियमों में एक बदलाव ऐसा भी किया गया है, जिससे CEO श्रीहर्ष मजेटी को खुद को और सीनियर मैनेजमेंट के किसी भी एक सदस्य को बोर्ड में नामित करने का अधिकार मिल गया है।

बोर्ड में हुए इन बदलावों पर स्विगी ग्रुप के सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने कहा, 'नंदन स्विगी के सफर में एक विजनरी ताकत रहे हैं। बेंगलुरु के एक मोहल्ले से शुरू हुए स्विगी को देशव्यापी प्लेटफॉर्म बनाने में उनका योगदान अहम रहा है।'

अल्वेस पिंटो को नॉमिनी डायरेक्टर नियुक्त किया

स्विगी के बोर्ड ने रेनन डी कास्त्रो अल्वेस पिंटो को नॉमिनी डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। वे प्रोसस वेंचर्स को लीड करेंगे। वे रोजर राबलाइस की जगह लेंगे, जो प्रोसस वेंचर्स में अपनी भूमिका बदलने के कारण स्विगी बोर्ड से हट रहे हैं। इसके अलावा स्विगी के को-फाउंडर और चीफ ग्रोथ ऑफिसर फणी किशन अडेपल्ली और ग्रुप CFO राहुल बोथरा को एडिशनल डायरेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 1 जून 2026 से प्रभावी होगी।

यूके में दो भारतीय छात्रों की डूबने से हुई मौत

मुंबई और आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे स्टूडेंट

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन (UK) की हर्टफोर्डशायर यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे दो भारतीय छात्रों की अलग-अलग हादसों में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इनमें से एक मृतक छात्र मुंबई का रहने वाला था, वहीं, दूसरा छात्र आंध्र प्रदेश का था।

मुंबई का रहने वाला 23 वर्षीय महेश रमेश खंडागले फाइनेंस और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के MSc का छात्र था। जिसकी 31 मार्च की सुबह दोस्तों के साथ वेल्स में एक हाइकिंग ट्रिप के दौरान जूबने से मौत हो गई। रमेश खंडागले के दोस्तों ने बताया कि क्वींसबरी में रहने वाला यह छात्र, ब्रेकोन बीकन्स में 'फोर वॉटरफॉल्स वॉक' के पास अपना नया GoPro कैमरा इस्तेमाल कर रहा था। यूनिवर्सिटी में इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (INSA) UK के प्रतिनिधि रोहित महादेवु ने बताया, ₹वह अपनी मां के साथ वीडियो कॉल पर था, जिन्होंने उसे पानी में न जाने की चेतावनी दी थी। लेकिन, वह यह देखने के लिए पानी में उतर गया कि वह कितना गहरा है। इसी दौरान वह तेज बहाव में बह गया।

यह एक दूरदराज का इलाका है, इसलिए इमरजेंसी सेवाओं को बुलाने में समय लगा। उसका शव शाम करीब 5-6 बजे मिला।₹ INSA ने उसके शव को भारत वापस लाने में मदद के लिए 'JustGiving' पर एक फंडरेजर शुरू किया है। वहीं, मृतक की मां ने UK आकर अपने बेटे का शव लेने के लिए वीजा के लिए आवेदन किया है। वहीं, दूसरा मृतक, 24 वर्षीय लीला साई रेड्डी मल्लिरेड्डी, जो आंध्र प्रदेश का रहने वाला था, वह भी हर्टफोर्ड-शायर यूनिवर्सिटी का छात्र था, 3 अप्रैल को दोपहर 3 बजे लापता बताया गया था। रात 10 बजे एम्बैंकमेंट, बेडफोर्ड में फायर और एम्बुलेंस की टीमों को बुलाया गया।

खींचतान : यह टकराव एक ट्रांस-अटलांटिक तनाव की परीक्षा बन गया है : जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज

'टूटने की कगार पर'

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की जब राजनीति में एंट्री भी नहीं हुई थी, तब से ही NATO सहयोगियों के प्रति उनका रवैया नकारात्मक रहा है। फिर कम रक्षा खर्च को लेकर उनकी नाराजगी हो या नाटो के ही सदस्य देश डेनमार्क के इलाके ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी, ट्रंप ने इस गठबंधन को हमेशा ही अनिश्चितता के माहौल में रखा है। अब ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल न होने के नाटो सहयोगियों के फैसले ने इस दरार को और भी गहरा कर दिया है। ट्रंप ने इसे धब्बा करार दिया, जो कभी नहीं मिटेगा। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने तो और भी साफ शब्दों में कहा कि यह टकराव एक ट्रांस-अटलांटिक तनाव की परीक्षा बन गया है। औपचारिक रूप से ऐसा करने के लिए ट्रंप को यूएस सीनेट में दो-तिहाई बहुमत या कांग्रेस के किसी अधिनियम की जरूरत पड़ेगी और इसके निकट भविष्य में घटित होने की संभावना कम ही है, क्योंकि NATO को अभी भी दोनों प्रमुख अमेरिकी पार्टियों के कई सांसदों का समर्थन मिला हुआ है। लेकिन ऐसी और भी चीजें हैं जो ट्रंप कर सकते हैं। अगर सहयोगी देशों पर हमला होता है तो उनकी मदद के लिए आगे आना अमेरिका की कोई बाध्यता नहीं है। संधि का अनुच्छेद 5 सदस्य देशों के सामूहिक रक्षा दायित्व की बात करता है, लेकिन यह अपने आप किसी सैन्य कार्रवाई को अनिवार्य नहीं बनाता और सहयोगी देशों के बीच इस बात को लेकर संदेह बना हुआ है कि क्या वॉशिंगटन कभी उनकी मदद के लिए आगे आएगा भी या नहीं।

अमेरिका के बाहर जाने के बाद टिक पाएगा नाटो?

मिडिल-ईस्ट में तनाव के बाद शुरू हुई इस आपसी खींचतान को NATO अब और टाल नहीं सकता। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह ट्रांस अटलांटिक गठबंधन टिक पाएगा? खासतौर से तब, जब अमेरिका इससे बाहर निकल जाए?

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, NATO के पूर्व डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस जिम टाउनसेंड ने कहा, ₹नाटो में अब पहले की तरह काम-काज नहीं होगा। न तो इस अमेरिकी प्रशासन के दौरान और न ही अगले प्रशासन के दौरान। हम अलग होने के इतने करीब हैं, जितने पहले कभी नहीं रहे।

अमेरिकी सैन्य अड्डों को बंद कर सकते हैं ट्रंप

अमेरिका यूरोप भर में फैले अपने लगभग 84,000 सैनिकों को इस महाद्वीप से बाहर भी निकाल सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बुधवार को बताया कि ट्रंप उन देशों से कुछ अमेरिकी सैन्य अड्डों को हटाने पर विचार कर रहे थे, जिन्हें ईरान युद्ध के दौरान मददगार नहीं माना गया था। वह अमेरिकी सैन्य अड्डों को बंद कर सकते हैं।

चूंकि NATO की स्थापना के समय से ही यूरोप को दी गई अमेरिका की सुरक्षा गारंटियों ने इसकी नींव का काम किया है, इसलिए इस तरह की दूरी से काफी नुकसान होगा।

आर्टेमिस-द्वितीय की वापसी के दौरान बढ़ गई थीं नासा की धड़कनें

गर्मी बढ़ने और रफ्तार से हो सकता था ब्लास्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नासा का आर्टेमिस-2 मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। 10 दिन की ऐतिहासिक चंद्र यात्रा के बाद चारों अंतरिक्ष यात्री शनिवार तड़के प्रशांत महासागर में सुरक्षित लैंडिंग के साथ पृथ्वी पर लौट आए। यह मिशन कई मायनों में ऐतिहासिक रहा और भविष्य में चंद्रमा पर स्थायी मानव उपस्थिति की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। री-एंट्री के दौरान कुछ मिनटों के संचार ब्लैकआउट ने तनाव जरूर बढ़ाया, लेकिन जैसे ही मिशन कमांडर रीड वाइसमैन की आवाज 'ह्यूस्टन, हम आपको साफ सुन पा रहे हैं' सुनाई दी, कंट्रोल रूम में राहत की लहर दौड़ गई।

इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच, विक्टर ग्लोवर, जेरेमी हैनसन और रीड वाइसमैन शामिल थे। यह पिछले पांच दशकों में पहली बार था जब इंसानों ने चंद्रमा के पास जाकर फ्लाईबाय किया। मिशन का सबसे जोखिम भरा चरण पृथ्वी के वायुमंडल में वापसी रहा। अंतरिक्ष यान करीब 40,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार और 2,760 डिग्री सेल्सियस तापमान झेलते हुए लौटा। यह ध्वनि की गति से लगभग 30 गुना तेज और सूर्य की सतह के तापमान का लगभग आधा था। इस दौरान ओरियन कैप्सूल लाल-गर्म प्लाज्मा से घिर गया और करीब छह मिनट तक संपर्क टूट गया। सफलतापूर्वक पैराशूट खुलने और सुरक्षित लैंडिंग के बाद मिशन कंट्रोल में तालियां गूंज उठीं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96